सही समय पर आत्मिक भोजन

केवल विश्वास करें, केवल विश्वास करें,
सारी बातें संभव है, केवल...

कैसे, अब यह इस प्रकार से है:

अब मैं विश्वास करता हूं, अब मैं विश्वास करता हूं,
सारी बाते संभव है, अब मैं विश्वास करता हूं;
अब मैं विश्वास करता हूं, अब मैं विश्वास करता हूं,
सारी बाते संभव है, अब मैं विश्वास करता हूं।

आइए अपने झुके हुए सिरों के साथ हम खड़े रहें।

प्रभु, यह केवल एक गाना ही ना हो, परन्तु हम ह्रदय की सम्पूर्ण गहराई से यह गाना निकले, "अब मैं विश्वास करता हूं!" यीशु ने जब बहुत सारे सामर्थी कार्य उनके मध्य में किए तो एक बार चेलो ने कहा, उन्होंने कहा, "प्रभु, अब हम विश्वास करते हैं।"

यीशु ने कहा, "क्या तुम अब विश्वास करते हो? "

2 उन्होंने कहा, "हम विश्वास करते हैं कि तू सारी बातें जानता है और कोई आवश्यकता नही कि कोई मनुष्य तुझे कुछ सिखाए।" इसलिए, पिता, आज रात्री हम अनुभव करते हैं कि आपको हमारी शिक्षा की आवश्यकता नहीं है, परन्तु हमें आपकी शिक्षा की आवश्यकता है। इसलिए हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमें सिखाएंगे कि कैसे प्रार्थना करे, कैसे जीवन बिताए, और कैसे विश्वास करे। आज रात्री इस सभा से होते हुए प्रभु, इसे प्रदान करें। यदि हम में कोई घटी हो, तो प्रभु हमें दे। यह हम यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

3 मैं जानता हूं आज रात्री आप में से बहुत से फिर से खड़े हुए हैं। और, बाहर, झुण्डों से मिला जिन्होंने कहा कि वे अंदर नहीं आ सके, और वे अपनी–अपनी कारों में रेडियो से सुन रहे हैं। और अब आज रात्री जितनी जल्दी हो सकेगा हम करेंगे, रविवार रात्री, हमें बीमारों की प्रार्थना के लिए देना हैं, एक प्रार्थना पंक्ति, जैसे कि हम यहां एक ले सकते हैं। परन्तु आज रात्री यह सभा हम बीमारों की प्रार्थना के लिए समर्पित कर रहे हैं।

4 और मैं चाहता हूं कि आप अब तैयार हो जाए... विश्वास में परमेश्वर की पवित्र भविष्यवाणी, इस घडी का विश्वास। विश्वास! किसी और युग से अब अधिक विश्वास होने जा रहा है, क्योंकि यह उठा लिए जाने का विश्वास होना चाहिए, कि उठाए जाए। और इसलिए आज रात्री हम चाहते हैं कि आप उस सब में जो आपने देखा, सुना, वह वचन जो आपने प्रचार होते सुना है, उसका विश्वास करे, वे—वे चिन्ह और आश्चर्यकर्म जो होते हुए आपने देखे हैं। हम चाहते हैं कि आप इस सबको अपने हृदय में एकत्र कर ले, और इस पर विचार करें, कि यह परमेश्वर है या नहीं।

5 क्या यह जैसे बूढ़े एलीशा ने कहा, "यदि परमेश्वर, परमेश्वर है, तो उसकी सेवा करें।" और यदि यीशु मसीहो के लिए सब बातो का मुख्य केंद्र है, तो मैं सोचता हूं कि हमें सारी चीजे छोड़ कर और उसके साथ मिल जाना चाहिए। स्मरण रखें, वह मुख्य केंद्र है, वह उत्तर का तारा है, वह अंतिम है, वह परम सत्य है। और यदि वह उत्तर का तारा है... वहां केवल एक चीज जो उत्तर के तारे की ओर संकेत करती है वह आपका दिशा सूचक यंत्र जिसके साथ आप चल रहे हैं। और वह दिशा सूचक जिसके साथ में चलने का यत्न कर रहा हूं, उस वचन के साथ, और वचन सदा उसकी ओर संकेत करता है।

6 और हम ऐसा अनुभव करते हैं कि उस महान समय में से होकर निकल रहे हैं, समय की बैचैनी और राष्ट्रों के मध्य संकट, और सब प्रकार की बातें घटित हो रही है, और कभी–कभी मैंने इस प्रकार से लिया, हर कहीं मैं देखता हूं जैसे... समुद्र के जहाज में ऐसा चल रहा है। और मुझे नाव का उत्तरदायी ठहराया गया है। और हम कैसे इसे करने जा रहे हैं? और यहाँ एक सफेद टोपी के साथ आता है, उसका पानी का जहाज मेरे जहाज से सेकड़ो गुना बड़ा है। परन्तु हम उन प्रत्येक को एक ओर कर देंगे। "उसमें होकर हम जयवंत से बढ़कर है।" कप्तान, मुख्य कप्तान, वह जहाज के अन्त में संचालक यन्त्र उसके हाथ में है, वह इसमे से होकर ले जाएगा। हम उन में से प्रत्येक को एक ओर धकेल देंगे।

7 अब, आज रात्री हम जल्दी कर सकते हैं और आपको जल्दी जाने देगे... हम आपकी लंबी यात्रा और इत्यादि की सराहना करते हैं, और कैसे आपको गाड़ी चलानी पड़ती है, और बलिदान जो आपको करना पड़ता है। और, देखिए, इस से मुझे ऐसा लगता है कि कहां खड़ा होना चाहूंगा और

केवल बाते करता जाऊं और हर वह कार्य करूं जिससे आपकी सहायता कर सकूं। परन्तु जब मैं यहां हर बात का यत्न करता हूं जितना सम्भव मैं कर सकता हूं, कि उस घड़ी में आपकी सहायता करूं जिसके लिए हम यहां पर हैं। तब आप हैं... यदि आप लोगों को एक समय में बहुत कुछ दे देगे, तो वे इसे याद नहीं रख सकेगे। आप—आप केवल एक चीज को पकड़े, और व्यक्ति को उसे तब तक पकड़वाये रखे जब तक वह इसे देख ना ले। और तब जब वे इसे अपने ह्रदय में पक्का ना कर ले, तब वे... तब उन्हें कुछ तो और सिखाये। हम एक–एक कदम करके आगे बढ़ते हैं।

8 अब, आप प्रार्थना करें और एक अच्छा साहस रखे, और आज रात्री चंगाई के लिए विश्वास करें। मैं नहीं सोचता कि आज जिस समय में हम रह रहे है इस विषय में आपके मस्तिष्क में कोई प्रश्न है। मैं इस बात का विश्वास नहीं करता कि परमेश्वर अपने लोगो के मध्य में है कि नही इस विषय में आपके मस्तिष्क में कोई प्रश्न है। मैं विश्वास करता हूं कि आप सब यह विश्वास करते हैं। और मैं... इस विषय में मेरे विचार में इस विषय में कोई संदेह नहीं है। और मैं—मैं—मैं अपने लोगों, मेरे मित्रो, मसीह के मित्रो, मसीह के—के बालको को जानता हूं, और यह विश्वास करता हूं।

9 और यह देखने में मुझे बहुत प्रसन्नता मिलती है, जब आप यह जानते हैं कि आपको परमेश्वर से संदेश मिला है और आप इसे लोगों को देते हैं, और इसके लिए लोगों में प्रतिक्रिया होती दिखाई पड़ती हैं। तब आप पीछे देख कर और कहते हैं, "पिता, आपका धन्यवाद हो।" ओह, यह देखकर कैसा आनंद मिलता है जब बालको को वह रोटी खाते देखते हैं जो उनके लिए भेजी गई है! आपको अनुभव होता हैं कि यह यहां इसी आराधनालय का वर्षों पहले का दर्शन था? यह ठीक बात है, "जीवन की रोटी।" भाई नेविल, आपको यह स्मरण है। जबरदस्त—जबरदस्त समय!

10 अब आइये निकाले, यदि आप साथ पढ़ना चाहते हैं या लिखना चाहते हैं, तो हम निकाले... मैं विश्वास नहीं करता कि यह ठीक होगा बिना परमेश्वर के वचन को पढ़े सेवा की जाए और कुछ टिप्पणियां की जाए, यदि ये चंगाई सभा या किसी और किसी प्रकार की सेवा हो। हम सब यह समझते हैं। मैं समझता हूं, कि हम में कोई भी अपरिचित नहीं है। परन्तु हम सब समझते हैं कि चंगाई क्या होती है। यह ऐसा नहीं है कि आपके लिए कोई कुछ कर रहा है; यह तो वह है जो परमेश्वर आपके लिए पहले ही

कर चूका है। उद्धार भी इसी प्रकार से है। केवल एक बात है, कि लोगों को इस बात का विश्वास दिलाये कि यह सत्य है। और परमेश्वर इसे अपने वचन में सिखाता है और जो इसका विश्वास करता है उनको सिद्ध करके दिखाता है, क्योंकि उसने कहा, "विश्वास करने वालों के लिए सारी बाते संभव है।"

11 आप कहते हैं कि, "परमेश्वर के लिए कुछ भी असंभव नहीं है।" क्या आप इसका विश्वास करते हैं? ना ही आपके लिए कुछ भी असंभव है। "*उनके* लिए सारी बातें संभव है," (परमेश्वर एक व्यक्ति है) "उनके लिए जो यह विश्वास करते हैं।" देखा? इसलिए आपके साथ कुछ भी असंभव नहीं है, आपके लिए, यदि आप केवल विश्वास कर सके।

12 अब पहला राजा, 17वां अध्याय, मैं पहले सात पद पढ़ना चाहता हूं, प्रभु चाहे।

और तिशबी एलिय्याह, जो गिलाद के परदेसियो में से था, उसने आहाब से कहा, इस्राएल का परमेश्वर यहोवा, जिसके सम्मुख मैं उपस्थित रहता हूं, उसके जीवन की शपथ इन वर्षों में मेरे बिना कहे न तो मेंह बरसेगा और न ओस पड़ेगी।

तब यहोवा का यह वचन उसके पास पहुंचा,

यहां से चलकर, और पूरब ओर *मुख करके, करीत नाम नाले में, जो यरदन के सामने है छिप जा।*

उसी नाले का पानी तू पिया कर; और मैंने कौवों को आज्ञा दी है, कि वे तुझे वहां खिलाए।

ध्यान दे, "*वहां* तुझे खिलाये," ना ही कहीं और। "वहां!"

सो उसने जाकर और यहोवा का कहे अनुसार किया, या यह वचन को मानकर: वह यरदन के सामने के करीत नाम नाले में जाकर छिपा रहा।

और सबेरे और सांझ को कौवे उसके पास रोटी और मांस लाया करते थे, और सांझ को रोटी और मांस; और वह नाले का पानी पिया करता था।

और कुछ दिनों के बाद उस देश में वर्षा न होने के करण नाला सूख गया।

13 प्रभु अपने वचन के पढ़े जाने पर आशीष दे। और अब, आज रात्री, मैं इस में से एक मूल पाठ लेना चाहता हूं, जो कि, "आत्मिक भोजन सही समय पर" कहलाया। आज प्रात: हमने एक—एक पाठ को—को लिया था, "परमेश्वर की सेवा करना, या बिना समय... –के उसकी सेवा का यत्न करना, समय, स्थान, या व्यक्ति।" और अब यह: *सही समय पर आत्मिक भोजन।*

14 इस एलिय्याह भविष्यव्यक्ता के विषय में, हम बहुत थोड़ा जानते हैं। परन्तु हम यह जानते हैं कि वह परमेश्वर का दास था, और उस समय के लिए परमेश्वर का दास था।

15 और परमेश्वर ने अपना आत्मा जो उस एलिय्याह पर था, पहले ही तीन बार प्रयोग किया, और दो बार और प्रयोग करने की प्रतिज्ञा की; पांच बार, अनुग्रह के लिए। उसने इसे एलिय्याह पर प्रयोग किया; और यह एलीशा पर दुगने भाग में आया; यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले पर था; और अन्यजाति दुल्हन को अंदर ले जाने के लिए आना है; और यहूदियों को घर ले जाने के लिए मूसा के साथ आना है। यह ठीक बात है। परमेश्वर ने एलिय्याह की आत्मा को पांच बार प्रयोग करने की प्रतिज्ञा की है, और तीन बार वह कर चुका है।

16 अब, यह महान भविष्यवक्ता कहां से आया हम नही जानते। हम जानते हैं कि वह तिशबी था। परन्तु वह कैसे आया...

17 हम भविष्यवक्ताओं के विषय में थोड़ा जानते हैं। हम नहीं जानते कि वे कहां से आते हैं। प्राय:... जैसा कि, मैं किसी को भी नहीं जानता जो कलीसिया से आया हो या उनके पीछे कोई वंशावली है। यह एक साधारण भय मुक्त व्यक्ति था, और बहुत सी बार अनपढ़ थे। और उन्होंने स्वयं कुछ लेखन कार्य नहीं किया। यशायाह और यिर्मयाह, उनमें से थोड़ो ने, कुछ लेखन कार्य किया, परन्तु इस महान पुरुष एलिय्याह ने कोई लिखित कार्य नहीं किया। उनमें से बहुत सो ने नहीं लिखा; सम्भवत: वे लिख नहीं सकते थे। परन्तु वे कठोर मनुष्य थे। उन प्राचीन भविष्यवक्ताओं के समान बाईबल में कोई व्यक्ति नहीं था। उन्होंने राज्यों, राजाओं, लोगों, कलीसियाओ, और हर चीज की, उन्हें सही सिद्ध किया, और परमेश्वर के वचन पर अटल खड़े रहे, और परमेश्वर ने उन्हें सही सिद्ध किया। वे बड़े कठोर व्यक्तित्व थे।

18 और यह एलिय्याह उन में से सबसे अधिक मजबूत था। वह जंगल में रहने वाला व्यक्ति था। वह जंगल में से निकल कर आया; वह जंगल में रहा। बाईबल बताती है उसकी वेशभूषा रोयेंदार थी। और वह अपने पर बकरी की खाल ओढ़े रहता था, और अपनी कमर में, ऊंट की खाल को बांधे रहता था, बहुत ही... उसके चेहरे पर दाढ़ी थी, और मैं कल्पना कर सकता हूं कि वह बहुत ही कठोर याने मजूबत दिखने वाला व्यक्ति था, यदि उसे देखे।

19 लेकिन हम नहीं... वे सब मृत नहीं हुए। वे सारे—सब नही मरे। निसियन सभा के दिनों में, आप में से बहुत से वे लोग जिन्होंने *प्रारंभिक कलीसिया की निसियन सभा* को पढ़ा हैं, जब वे इसमें से एक संस्था बनाना चाहते थे और सारी दूसरी कलीसियाओ को तोड़ दिया, एक के अंदर आ गये, और जब उनकी निसियन सभा हुई थी, एलीशा के समान एक कठोर मनुष्य जंगल में से निकलकर आया, जो केवल शाकाहारी था; एक महान कठोर मनुष्य। परन्तु विशिष्ठ लोग, ऊँचे–ऊँचे लोग, कॉन्स्टेंटाइन के अधीन थे, और आदि–आदि, उनकी आवाजे बंद कर दी। क्योंकि वे, नबी होते हुए, यह जान गए कि कलीसियायी दुल्हन के गेहूं बीज को भूमी में गिरना ही है, ठीक वैसे ही जैसे दूल्हे रूपी गेहूं बीज को भूमी में गिरना पड़ा था। और वहां वह हजार वर्षो के लिए पड़ा रहा।

20 यही कारण है कि वे आज पुस्तको में लिखते हैं, "वह मूक परमेश्वर कहां है जो खड़े–खड़े यह देख सका, उन छोटे बालकों को घात होते देखा, और सिंहों के द्वारा वे महिलाए टुकड़े–टुकड़े कर दी गई, और वह आकाश में बैठा रहा और इस विषय में कुछ नहीं बोला? " वे वचन को नहीं जानते। उस गेहूं के बीज को भूमी में गिरना ही है। कैसे एक धर्मी परमेश्वर खड़े–खड़े अपने पुत्र को मरते हुए देखता रहा और उन पर थूका गया, और आदि–आदि? परन्तु यह वचन के अनुसार था, यह होना था। और इसी प्रकार से यह इस घड़ी में भी है।

21 यह मनुष्य, यह एक महान पुरुष था। उसके पहले उसका पिता एक दुष्ट था। आहाब एक राजा था, उसके पहले उसका पिता एक दुष्ट था। सुलेमान के बाद से, एक के बाद एक दुष्ट राजा हुए। और यह मनुष्य, आहाब, जिसने सामरिया में बाईस वर्ष राज्य किया, उस सब से बेकार था। वह एक वास्तविक आधुनिकता था। निश्चय ही वह धर्म में विश्वास करता

था। और उसके पास हर वस्तू एक आधुनिक चलन में थी। उसके पास चार सौ इब्रानी भविष्यवक्ता थे, वे सब अच्छे शिक्षित और प्रशिक्षण प्राप्त थे। परमेश्वर ने उसके पास एक को भेजा और वह उसका विश्वास नहीं करेगा, और वह एलिय्याह था।

22 परन्तु एलिय्याह, यह तिशबी, जंगल में रहनेवाला मनुष्य था। वह कोमल मनुष्य नही था; वह कठोर मनुष्य था। और एक दिन, जब आहाब ने इतने पाप कर दिए यहां तक कि परमेश्वर अधिक सहन ना कर सका, वह जंगल में एलिय्याह से बोला। जैसे की मैंने अक्सर इसका उदाहरण दिया है, और वह सामरिया को जाने वाली सड़क पर आता है; हो सकता है उसके मुख के चारों ओर सफेद–सफेद दाढ़ी हो, गंजा सिर सूर्य में चमक रहा हो, छोटी–छोटी आंखें, पीछे उसके हाथ में एक छड़ी, उसके मुख पर मुस्कराहट, सीधा इस्राएल के राजा के पास गया, और कहा, "वो... जब तक मैं ना कहूंगा ओस की एक बूंद भी ना गिरेगी।"

23 परमेश्वर हमें इस प्रकार का मनुष्य दे, देखिए, वह व्यक्ति जो यह जानते हो कि **यह यहोवा यों कहता है** के साथ क्या कर रहे हैं।

24 अब, हम यह पाते हैं कि इस से पहले उसने यह किया, कि परमेश्वर ने उसे बुलाया। परमेश्वर ने उससे बातें की, और इसलिए, वह किसी भी चीज से डरता नही था। वह उसके संदेश से डरता नही था, कि यह घटित नहीं होगा; वह जानता था कि यह घटित होगा! वह जानता था कि यह प्रभु के वचन के अनुसार है, और वह जान गया कि वह परमेश्वर का भविष्यवक्ता है उस समय के लिए। इसलिए चाहे राजा उसका सिर कटवा दे, जेल में डाल दे, वे जो चाहे करे, उसको इससे कोई अन्तर नहीं पड़ता; उसके पास, "**यहोवा यों कहता है**," इसका प्रधिकार था, सीधे–सीधे राजा के सामने। क्या ही कठोर व्यक्ति! परन्तु इससे पहले उसने यह किया, उसने इस बड़े आकाल की भविष्यवाणी कर दी...

25 क्योंकि परमेश्वर पाप को बिना दंड के नहीं छोड़ेगा। दण्ड तो मिलना ही है। बिना दंड के कानून का क्या लाभ? यह क्या लाभ पहुंचायेगा, मान लीजिए, "लाल बत्ती को पार करना कानून के विरुद्ध है," और उसका कोई जुर्माना ना हो, या उसका कोई दण्ड ना हो? तो यह कानून ना होगा। इसलिए पाप के लिए दण्ड है। और जब परमेश्वर कानून बनाता है, और कानून—कानून तोड़ा जाता है, तो इसके लिए दण्ड होना ही है।

26 और इस राष्ट्र ने उसके सारे कानूनों का उल्लंघन कर दिया। ओह, उनके बड़े–बड़े आराधनालय थे, उनके पास मंदिर थे। उनके पास बहुत सारे शिक्षित मनुष्य थे। उनके पास समस्त राष्ट्र में भविष्यवक्ता थे, उनके विद्यालय उनको मशीन के समान बना रहे थे। और उनके पास ढेर सारे भविष्यवक्ता थे, बहुत सारे—सारे याजक, बहुत सारे शास्त्री, और बहुत सारा धर्म, परन्तु वे परमेश्वर के वचन से परे थे। इसलिए परमेश्वर उनके विधान से अलग मनुष्य को बुलाता है, और **यहोवा यों कहता है** के साथ भेजता है।

27 और ध्यान दें कि वह अपनों की कैसी चिंता करता है। इससे पहले कि वह अपने भविष्यवक्ता को संदेश के साथ भेजे, उसने कहा, "एलिय्याह जा और राजा आहाब को यह सारी बाते बता दे। और अब, जब तू यह करता हैं, तो तुरन्त अपने आप को उससे अलग कर ले, क्योंकि कल के समय के लिए मैंने तेरे लिए स्थान बनाया है। एलिय्याह, यदि तू मेरा वचन प्रचार करे, और जो मैंने तुझ से कहा है वही करे तो मैं तेरा ध्यान रखूंगा।"

28 अब आज रात्री मैं एलिय्याह की इस महान सेवकाई और एलिय्याह के समय को जिस समय में, हम अब रह रहे है मिलान करने जा रहा हूं। मैं विश्वास करता हूं कि यह सिद्ध नमूना है। मैं राष्ट्रों के विषय में सोचता हूं... यदि मैं... हमारे पास पीछे देखने के लिए समय होता, परन्तु मैं अधिक समय प्रार्थना पंक्ति में देना चाहता हूं।

29 इसलिए यदि हमें पीछे मुड़ कर देख सके कि, इस्राएल ने फिलिस्तीन देश को उसी आधार पर लिया है, जिस पर हमने संयुक्त राज्य को लिया है। हम इस संयुक्त राज्य में आए और इसके रहने वालों को निकाल दिया, जो कि इन्डियन थे, और इस भूमी का अधिकार रखते थे। और ऐसे ही इस्राएल फिलिस्तीन देश में, यहोशू परमेश्वर की अगुवाई में आया, और वहां के रहने वालों को निकाल कर देश को ले लिया।

30 और उनके पहले राजा सामर्थी मनुष्य थे: दाऊद, सुलेमान, और महान मनुष्य। हमारे पहले वाले राष्ट्रपति महान मनुष्य थे: वाशिंगटन, लिंकन, और आदि–आदि। तब आखिर वाले राष्ट्रपति और राजा समय के साथ बिगड़ते चले गए, और अंत में वे आहाब में आकर समाप्त हो गए। हमारे दिनो का सही प्रतिक। और लोग इतने आधुनिक हो गए थे कि वे प्रभु के सच्चे वचन को सुनना नहीं चाहते।

31 और आप इस प्रकार के आधुनिक लोगों की कल्पना कर सकते हैं कि, परमेश्वर का सच्चा वास्तविक दास उनके सुनने में कैसा लगता होगा। "क्यों, वह पागल था, वह अपनी समझ में नही था। ऐसी कोई चीज नहीं हो सकती।" वे बहुत ही अधिक धार्मिक थे। उनके पास ईमानदार व्यक्ति थे, उनके पास ईमानदार लोग थे। वे बहुत ही धार्मिक थे।

32 इसलिए वह जानता था कि साधारण धर्म शिक्षा से कुछ और अधिक चाहिए, साधारण संदेश से कुछ और अधिक से—से अधिक चाहिए, इन्हें वचन के प्रचार से कुछ और अधिक चाहिए, कि उनके पत्थर के हृदयो को तोड़ दे। वह जान गया उसने **यहोवा यों कहता है** लिया कि लोगों पर न्याय को लाए। जब वह **यहोवा यों कहता है** के साथ गया तो वह जान गया (और यह **यहोवा यों कहता** है।) था, उसे ठुकराए, यह न्याय था। यह हम अपने दिनों में भी देखते हैं। हम यह किसी भी दिनो में देखते हैं। तो वहां न्याय को छोड़ और कुछ नही बचता, जब आप अनुग्रह की रेखा को लांघ जाते हैं।

33 अब, यह प्रतीक है, जिसको मैं एलिय्याह के साथ प्रतीक बनाने जा रहा हूं, आज की कलीसिया, आज की कलीसिया। न्याय के थोड़ा सा पहले, उसे यह संदेश मिला। एलिय्याह जब उसकी स्वाभाविक रूप से स्वाभाविक भोजन की चिन्ता की गई, वह इसका प्रतिक है क्योंकि अब वर्षा नहीं होगी, साढ़े तीन वर्ष तक परमेश्वर के वचन के अनुसार, या जब तक एलिय्याह ने वर्षा को नहीं बुलाया। "एलिय्याह, जिस समय भी तू कहे, तब ही यह होगा।" इसलिए वह राजा के पास गया, और कहा, "जब तक मैं ना कहूंगा ओस भी ना गिरेगी।" यह एक—एक बड़ा बोझ है, है कि नहीं? यह एक संदेश है!

34 और अब हम आज यह आत्मिक आकाल के एक प्रतीक के साथ मिलाने जा रहे हैं। अब, हम सब यह जानते हैं, हम इस से परिचित हैं, कि आज देश में एक बड़ा आत्मिक आकाल है, आत्मिक रूप से बोल रहा हूं। और, आप जानते हैं, कि इसकी भविष्यववाणी नबी के द्वारा, मसीह के दूसरे आगमन से थोड़ा सा पहले कर दी गई है कि यह होगा? कहा कि, "देश में आकाल होगा, और यह केवल रोटी का नहीं होगा, परन्तु परमेश्वर के वचन के सुनने का।" और वह दिन अब है, "परमेश्वर के सच्चे वचन को सुनने का।" अब, यह स्वाभाविक आकाल आत्मिक का प्रतीक है।

35 पाप और अविश्वास, झूठे शिक्षकों और आधुनिकता लोग कलीसिया में, उस स्थिति को ले आए है, आने वाले न्याय को। तब यह परमेश्वर के वचन से फिर गए है और उसके भविष्यव्यक्ता से, कि वचन के आधुनिक ज्ञाता बन जाए।

36 आप यहां ध्यान दे, यह ठीक उसी समय था कि परमेश्वर किसी चीज को उठाता है। क्योंकि, वह, सदा, वह तब तक कुछ नहीं करता, जब तक वह लोगों पर प्रकट ना कर दे, और वह सदा अपने दासो पर प्रकट करता है।

37 अब, परन्तु इस समय के चलते, उसका एक गुप्त स्थान था जिसे परमेश्वर ने उसके जाने के लिए अभिषिक्त किया था। प्रार्थना पंक्ति से पहले हम इसी बात को देखना चाहते हैं इससे पहले कि हमारे पास हो। एलिय्याह का गुप्त स्थान स्वयं परमेश्वर के द्वारा दिया गया था। अब, कलीसिया ने इसे वह कभी नहीं दिया, राजा ने इसे कभी नही दिया, उसने स्वयं से वह स्थान नहीं लिया, परन्तु परमेश्वर ने वह गुप्त स्थान एलिय्याह को सारे आकाल के समय के लिए दिया था कि उसे खिलाया जा सके, जहां उसका प्रतिदिन का भोजन दिया जाता था। उसे आने वाले दिन के लिए परेशान होने की आवश्यकता नहीं थी कि क्या होने जा रहा है या परेशान हो कि आपूर्ति समाप्त ना हो जाए। परमेश्वर ने कहा, "मैंने कौवों को आज्ञा दी है और वे तुझे खिलाएंगे।" कितनी आश्चर्यजनक बात है, मसीह में हमारे गुप्त स्थान का एक प्रतिक।

38 जब संसार की परिषद और वह सब जो आज चल रहा है, वह यह कहता है कि, "आश्चर्यकर्मों के दिन बीत गए।" परमेश्वर की महान सामर्थ कलीसियाओ में से ले ली गयी है। ऐसा लगता हैं कि, अब, कुछ भी नहीं है उनके पास कुछ नही है केवल "ठनठनाता हुआ पीतल और झनझनाती हुई झांझ।" यह सत्य है हम यह जानते हैं। "और भक्ति का भेष धरते है, और उसकी शक्ति का इन्कार करते है।"

39 यह ठीक वैसे ही है जो आज प्रात: दाऊद ने किया, उस बैल गाड़ी को लेकर, और वचन से अलग हट गया। जब वचन दिया गया और उन्हें दिया गया, तो वे इसे नहीं चाहते; इसलिए, वे इससे अलग हट गए।

40 यही है जो लोगों ने एलिय्याह के दिनों में किया, वचन से दूर हट गए। उन्होंने सोचा कि उनके पास वचन था, परन्तु उनके पास नहीं था।

41 इसलिए ध्यान दे, कि इस में,... उस समय में जब वह अविश्वासी को दण्ड देने जा रहा था, उसने विश्वासी के लिए एक मार्ग निकाला। हर बार उसने यही किया। उन दिनों में जब वह संसार को पानी के द्वारा नष्ट करने जा रहा था, तो उसने नूह के बच निकलने के लिए मार्ग बना दिया। उन दिनों में जब वह मिस्त्रियो को डुबाने जा रहा था, तो उसने अपने लोगों को सागर में से बच निकलने के लिए मार्ग बना दिया। परमेश्वर कैसे अपना मार्ग बनाता है! और जहां कोई मार्ग नहीं होता, वह मार्ग है। वह जो मार्ग है!

42 अब हम यह अनुभव करते हैं कि हम कुछ एक सामना कर रहे हैं... एक महान घड़ी जो कभी इतिहास में जानी गई। क्या यह ठीक वह चमकदार शास्त्रों के चमकदार मिसाईल नहीं जिनके सर ऊपर है, जिनसे हमें डरना चाहिए। यह कलीसियाये है जिनसे हमें डरना चाहिए। यह वह घडी है जिसमें हम रह रहे हैं जिस पर हमें ध्यान देना चाहिए।

43 अब ध्यान दें, परन्तु परमेश्वर ने एलिय्याह के बच निकलने के लिए मार्ग बना दिया। और उसने अपने विश्वास करने वाले बालको के लिए मार्ग बना दिया कि बचकर निकल जाए, वह कोप और वे आने वाली बाते।

44 क्योंकि, परमेश्वर न्याय के लिए उन लोगों के लिए न्यायी नही हो सकता और उन्हें दण्ड दे, और सदोम और अमोरा को डुबा दे, और कफरनहूम को सागर के बीच में डुबा दे, और उन पीढ़ियों को दोषी ठहराए, और सदोम और अमोरा, और हमे वही कार्य करने दे और उसे जाने दे। हम भी न्याय के लिए वैसे ही निश्चित हैं जैसे वे न्याय के लिए निश्चित थे। अब हम ध्यान देते हैं कि...

45 जब यह चीजें आती हैं, उस दिन के आधुनिक रंग–ढंग, परमेश्वर ने उस दिन में एक मनुष्य को उठाया, या बल्की एक मनुष्य को खड़ा किया, कि उन शक्तियों का मुकाबला करे, और वे इसे नहीं सुनेंगे। उन्होंने सोचा कि वह पागल था, उसने सोचने की शक्ति समाप्त हो गई, वह केवल एक बूढ़ा, झक्की, मूर्ख, जंगल से आया है, जंगली, झक्की प्रकार का है। परन्तु, फिर भी, उसके पास प्रभु का वचन था।

46 "वचन का यह अर्थ नहीं है जो यह क्या कहता है," आज वे कहते है। "ओह, देखिए, बाईबल इतिहास की पुस्तक है।" मैं समझता हूं कि आपने यह देखा होगा, कि अब वे यह दावा कर रहे हैं, कि, "हव्वा ने सेब नहीं खाया था, उसने खाया... " वह क्या था? मैं विश्वास करता हूं... "कि यह

खुवाईनी था," अब वे यह कहते हैं कि। "यह एक खुबानी था।" और फिर यह कि, "मूसा बालको को लाल सागर में से निकाल कर नहीं लाया। यह सागर के एक ओर पटेरो का एक बड़ी घास का बड़ा झुण्ड था, और वह पटेरे के सागर में से होकर निकला।" तो फिर डब्लू–ए–टी–ई–आर पानी दोनों ओर से कैसे दीवार के समान खड़ा हो गया, तो क्या वे सूखी भूमी पर से होकर गए? ओह, ऐसी निर्थक बात! परन्तु, आप देखिए, इस प्रकार के दिन परमेश्वर के क्रोध को लोगों पर लाते है। यह यही करता है।

47 वे कहते हैं कि ऐसी कोई भी बात नहीं थी जैसे—जैसे ये... यहां तक कि कलीसिया के लोग भी आश्चर्यकर्मों का विश्वास नहीं करते हैं। "मैं तुम्हें एक हजार डॉलर दूंगा," उन्होंने कहा, "मुझे एक आश्चर्यकर्म दिखाओ। मुझे एक आश्चर्यकर्म दिखाओ!" ठीक है, वे इसे नहीं देख सकते यदि उनके सामने दस हजार चीजें भी कर दी जाए। क्यों, वे, वे इसे कभी नहीं देख सकेंगे।

आप कहते हैं, "यह असंभव है।" ओह, नहीं, यह नहीं है।

48 एक बार एलिय्याह दोतान में था, और सीरिया की सेना ने वहां आकर नगर को घेर लिया, कि उसे पकड़ ले, क्योंकि उन्होंने जान लिया कि उस—उस राष्ट्र की सामर्थ, वहां उस दर्शी में थी। क्यों, राजा... एक मनुष्य ने सीरिया के राजा को बताया, कहा, "क्यों, आप एलिय्याह भविष्यद्वक्ता, तिशबी को नही जानते जो भी तू अपने गुप्त स्थान में बात करता है वह उस इस्राएल के राजा को बता देता है।"

49 कहा, "जाकर उस व्यक्ति को पकड़ कर ले आओ! वह हमारे लिए विघ्न डाल रहा है।" और समस्त सीरियायी सेना ने दोतान को चारों ओर से घेर लिया। वे इसके चारों ओर थे।

50 और गेहजी, वो—वो भविष्यवक्ता का सेवक, जाग उठा, और उसने कहा, "ओह, मेरे पिता, सेना यहां हमारे चारों ओर है। हम पूरी तरह से घिरे हुए हैं।"

51 उसने कहा, "क्यों, जो हमारे साथ है वह उससे जो उनके साथ है बढकर है।" समझे?

और गेहजी ने चारों ओर देखा, कहा, "मैं यहां किसी को नहीं देखता।"

52 उसने कहा, "प्रभु परमेश्वर, उस लड़के की आंखें खोल दे।" और

उसकी आंखें खुल गई, और सारी पहाड़ियां स्वर्गदूतों और रथों को वहां चारों ओर उपस्थित देखा, अनदेखी सामर्थे।

53 एलिय्याह सीधे–सीधे वहां गया, और बाईबल ने कहा कि, "उसने उन्हें अंधा कर दिया।" वह उनके पास चला गया; वे उसके लिए अंधे हो गए थे। बाहर जाकर और कहा, "क्या तुम एलिय्याह को ढूंढ रहे हो? "

उसने कहा, "हां, हम उसे ढूंढ रहे हैं।"

54 कहा, "आओ, तुम्हें बताता हूं कि वह कहां है," और उन्हें ठीक घात होने के स्थान में भेज दिया, सीधे वहां जहां सेना ने आकर और उन्हें घेर लिया।

55 अब, बाईबल ने कहा, "उसने उन्हें अंधा कर दिया।" यह तय हो गया। और आज लोग आत्मिक रूप से इतने अंधे हो गए हैं, यधपि प्रभु परमेश्वर ठीक उनके मध्य में आकर और कुछ भी करता है, और बातें जिनकी उसने प्रतिज्ञा की है, वे फिर भी इसे नहीं देख सकते हैं। वे आत्मिक रूप से अंधे हैं; परमेश्वर को नहीं जानते, उसकी महान सामर्थ को नहीं जानते। अब, हम ध्यान देते हैं कि उन्होंने एलिय्याह के दिनों में यह किया था, और वे आज भी यह कर रहे हैं। परमेश्वर ने उन्हें अंधा कर दिया। वे आज यह कहते हैं, कि, "कोई आश्चर्यकर्म नहीं है, ऐसी कोई चीज नहीं है, यह सब भावनाये है।"

56 और उन्होंने एलिय्याह के विषय में भी यही बात कही, क्योंकि जब वह उठा लिया गया और एलीशा ने उसका स्थान ले लिया, एक युवा मनुष्य, युवावस्था में गंजा हो गया था, बालक उसके पीछे–पीछे भागे, और बोले, "बूढ़े गंजे, तू क्यों नही एलिय्याह के साथ चला गया? " देखिए, उन्होंने आरंभ में इसका विश्वास तक नहीं किया, बहुत सी चीजों के किए जाने के पश्चात, वे लोग। और परमेश्वर ने रूपांतरण कर इस महान व्यक्ति को आग के रथ के द्वारा स्वर्ग पर उठा लिया था, और लोगों ने फिर भी इसका विश्वास नहीं किया। और उनके छोटे बालक इस व्यक्ति के पीछे भागे और कहते है, "बूढे गंजे, तू क्यों नहीं ऊपर चला गया? " समझे? और तब भविष्यवक्ता ने बालकों को श्राप दिया, और मादा भालू ने उन बयालीस को मार डाला।

57 अब ध्यान दें। आज, जैसा कि पहले उस समय था, वे वचन का अपना अनुवाद करते है। अब, यदि वे यह करना चाहते हैं, तो यह उन पर निर्भर

करता है, परन्तु वे हमें भी इसका विश्वास करवाना चाहते हैं। बाईबल ने कहा कि, "इस परमेश्वर के वचन का कोई निजी अनुवाद नहीं है।" परमेश्वर अपना अनुवाद स्वयं करता है। परमेश्वर अपने वचन की पुष्टी करता है, और यही इसका अनुवाद है। जैसा कि मैंने बहुत सी बार कहा, उसने आरंभ में कहा कि, "उजियाला हो जा," और वहां उजियाला था। इसके लिए अनुवाद की आवश्यकता नहीं थी; यह घटित हुआ। उसने कहा, "एक कुंवारी गर्भवती होगी," वह हुई। उसने कहा वह "अपना आत्मा को उंडेलेगा," उसने उंडेला। और उसने कहा, "अन्तिम दिनों में," वह चीजें जो वह करेगा, और वह यह कर रहा है! इसे किसी अनुवाद की आवश्यकता नहीं है; परमेश्वर अपना अनुवाद स्वयं कर रहा है। इससे कोई मतलब नहीं मूर्ख मनुष्य क्या कहता है, यह परमेश्वर को जरा सा भी नहीं रोक सकता।

58 जब यीशु इस पृथ्वी पर था, तो उसे बहुत सारे अविश्वास का मुकबला करना था, जो आज हमारे पास है, और हो सकता है अधिक। परन्तु यह उसे नहीं रोक सका; वह करता ही चला गया और अपने कर्तव्य को पूरा करता चला गया, और जो कुछ उसने किया परमेश्वर ने उसकी पुष्टी की। उसने कहा, "मैं स्वयं से नहीं हूं। मैं और पिता एक हैं; वह मुझ में वास करता है। यह मैं नहीं हूं जो कार्य करता है, यह पिता है जो मुझ में रहता है। और यदि मैं अपने पिता के काम ना करूं, तो मेरा विश्वास ना करो; परन्तु यदि मैं उन कार्यो को करता हूं और तब भी तुम मेरा विश्वास नहीं कर सकते, कार्यो का विश्वास करो।" समझे? दूसरे शब्दों में, वे... "पवित्र शास्त्र में ढूंढो," उसने कहा, "क्योंकि जहां तुम सोचते हो कि तुम्हे अनंत जीवन मिलता है, उस पवित्र शास्त्र के जानने से। और पवित्र वचन स्वयं मेरी गवाही देता है।" आमीन! क्या ही कथन है! "वे, वे है, पवित्र वचन, वह आपको बताता हैं कि मैं कौन हूं," यीशु ने कहा।

59 और यह पवित्र वचन है जो आपको बताता है कि हम जिस घड़ी में रह रहे हैं। और जो चीजें तुमने होते हुए देखी, यह स्वयं परमेश्वर अपने लोगों के मध्य में है। मृतक को कोई नही जिला सकता सिवाये परमेश्वर के। कोई भी उन चीजों को नहीं कर सकता सिवाय उसके जो वह अब कर रहा है। क्योंकि बाईबल ने कहा, "वह कल, आज और सर्वदा एक सा है।"

60 अब हम लोगों के आधुनिक ढंग देखते हैं, तब, "ओह, वे दिन बीत गए, आश्चर्यजनक कार्य जैसी कोई चीज नहीं है। लोग यह सब भावपूर्ण होकर

करते हैं।"

61 उस एलिय्याह की सुनो, उस भविष्यवक्ता की, जो उनके और उनके धर्मज्ञानियों के विरुद्ध चिल्लाता है। ध्यान दे, ध्यान दे, वह ऐसे बोलाता है जैसे कि वह स्वयं परमेश्वर हो। एलिय्याह ऐसे बोलता है जैसे कि वह स्वयं परमेश्वर हो, "जब तक मैं ना कहूंगा आकाश से ओस तक ना गिरेगी।" आमीन! जी हां, श्रीमान।

62 भविष्यवक्ता इतने लम्बे समय तक परमेश्वर की उपस्थिति में रहा, पुराने नियम के भविष्यवक्ता, या किसी भी समय के, वे तब तक परमेश्वर की उपस्थिति में रहते थे जब तक कि वे वचन नहीं बन जाते थे, उनके संदेश स्वयं में वचन है। और, स्मरण रखें, उसने कहा, "**यहोवा यों कहता है**।" और जब वे व्यक्ति परमेश्वर से उन सन्देशो को प्राप्त करते थे, और वे इतने तल्लीन हो जाते थे कि उनके अपने विचार... वह उनके अपने विचार के विरुद्ध हो सकता था, वे इतने योग्य नही होते थे कि वे इसे ठीक से—से देख सके। परन्तु वे परमेश्वर का वचन बोल रहे थे, "**यहोवा यों कहता है**।"

63 "जब तक मैं ना कहूंगा, कोई वर्षा ना होगी।" ओह, क्या ही कथन है! वह परमेश्वर की उपस्थिति में था और इतना सिद्ध प्रमाणित हुआ था। और, याद रखें, यह भी आमोस 3:7 को भी पूरा कर रहा था, "प्रभु परमेश्वर तब तक कुछ नहीं करेगा जब तक अपने दास भविष्यद्वक्ताओं पर अपना मर्म प्रकट ना कर दे।" कहा कि, "वहां पर कोई वर्षा ना होगी!" वह पहले...

64 वे उस पर हंसे, उन्होंने सोचा कि वह पागल था, "वह धर्मान्धता है!" परन्तु, देखिए, उसके पास **यहोवा यों कहता है** था कि कोई वर्षा नहीं होनी थी। और, परमेश्वर ने, इससे पहले कि वह इसे करता, उसने अपने दास एलिय्याह पर यह प्रगट कर दिया। और वह परमेश्वर का सिद्ध प्रमाणित भविष्यवक्ता था, इसलिए लोगों को प्राश्चित कर लेना चाहिए था। परन्तु, बजाए इसके, वे उस पर हंसे, कहा, "ओह, हमारे पास यहां बहुत वर्षा होती है! जलाशय भंडार भरे हुए हैं। नदियां ठीक से बह रही हैं।"

65 बाईबल बताती है कि, "वहां साढ़े तीन वर्ष तक ओस भी ना गिरी।" हर जगह सारे सोते और पानी सूख गए। यह वह मनुष्य नहीं था, यह परमेश्वर उस मनुष्य में से होकर बोल रहा था। यह वह "मैं" था। हम यह हमेशा से जानते हैं। इसलिए वह...

66 हम जानते हैं कि जब परमेश्वर का भेजा हुआ एक मनुष्य आता है, परमेश्वर के द्वारा अभिषिक्त **यहोवा यों कहता है** के सत्य के, संदेश के साथ तो वह और संदेशवाहक उसके साथ एक समान होता है। क्योंकि वचन दर वचन, **यहोवा यों कहता है** का प्रतिनिधित्व करने भेजा जाता है, इसलिए वह और संदेश एक ही होते है।

67 एक नामधारी कलीसिया का व्यक्ति नामधारी कलीसिया के संरक्षण में, वह और कलीसिया "एक" होते है। एक धर्मशास्त्री धर्मशिक्षण की आधीनता में, जो नामधारी संस्था द्वारा बनायी जाती है, वह और उसका संदेश एक होते है; धर्मशिक्षा की कलीसिया, एक धर्मशिक्षा शास्त्री। यह बिल्कुल सही है।

68 तब जब एक मनुष्य **यहोवा यों कहता है** के साथ आता है, तो वह और सन्देश एक होते है। और जब एलिय्याह **यहोवा यों कहता है** के साथ आया, तो वह और उसका संदेश एक हो गए। जैसे की यीशु, जब वह आता है, वह वचन था, संत यूहन्ना 1। इसलिए परमेश्वर का वचन और सन्देशवाहक उस युग का हर समय, एक ही चीज थे। यह ठीक बात है।

69 यीशु वह वचन था जिसकी भविष्यवाणी की गई थी। यह वह था जो कि भविष्यवक्ताओं ने कहा था कि घटित होगा, "एक कुंवारी गर्भवती होगी और इस बालक को जनेगी।" पीछे आरंभ में, परमेश्वर ने उन्हें बताया, कहा, "स्त्री का वंश सर्प के सिर को कुचलेगा, और वह उसकी एड़ी को डसेगा।" यह सारी भविष्यवाणियां दी गई थी। दाऊद चिल्ला रहा था, इन सारे युगों में से होते हुए सारे भविष्यद्वक्ता उसके विषय में बोल रहे थे। वह वो प्रगट किया गया वचन था! हाल्लेलुय्या!

70 अब क्या आप देखते हैं कि मैं आपको क्या समझाने का यत्न कर रहा हूं? इस प्रात: मैंने आपको स्पष्ट कर दिया है। क्या आप जीवित परमेश्वर के अधिकार को जीवित कलीसिया दुल्हन में नहीं देखते? बीमार चंगे होते हैं, मृतक जिलाए गए, अपंग चलते है, अंधे देखते हैं, देखिए सुसमाचार अपनी सामर्थ में आगे बढ़ रहा है, क्योंकि सन्देश और सन्देशवाहक एक ही है। वचन कलीसिया में है, व्यक्ति में है।

71 परमेश्वर का वचन एलिय्याह में था जब वह वहां **यहोवा यों कहता है** के साथ चला गया, और कहा कि, "वर्षा नहीं होगी।" वह एलिय्याह नहीं था; वह परमेश्वर एलिय्याह में था।

72 मैंने बहुत सी बार कहा, जैसे कि क्रिश्चियन साइंस की एक महिला ने मुझे एक बार बुलाया इस विषय में। मैंने बहुत सी बार बताया है। उसने कहा, "श्रीमान ब्रन्हम, आप यीशु पर बहुत ही शेखी मारते हैं।"

मैंने कहा, "मैं आशा करता हूं कि केवल यही एक चीज है जिसका मुझे उत्तर देना है।"

और उसने कहा, "आप उसे दिव्य बनाना चाहते है।"

मैंने कहा, "वह दिव्य था।"

73 कहा, "ओह, वह एक भविष्यवक्ता था, वह एक भला मनुष्य था, परन्तु वह दिव्य नहीं था।"

74 और मैंने कहा, "तो ठीक है, मुझे एक पवित्र वचन दिखाइए जो कहता हो कि वह दिव्य नहीं था।"

75 वह बोली, "संत यूहन्ना की पुस्तक कहती है कि वह 'रोया' जब वह लाजरस की कब्र पर गया।"

76 "ठीक है," मैंने कहा, "निश्चय ही, वह रोया। वह दोनों था मनुष्य और दिव्य। वह एक मनुष्य था, रो रहा था; परन्तु मृतक को जीवित करने के लिए उसे परमेश्वर होना था।" यह ठीक बात है। मैंने कहा, "वह एक भूखा मनुष्य था; परन्तु जब उसने पांच हजार को खिलाया, वह परमेश्वर था, दो रोटी और पांच मछलियां।" यह ठीक बात है। "नाव में वह एक मनुष्य था, जो पीछे की ओर सो रहा था; परन्तु उसमें वह परमेश्वर था जो पानी को शांत कर सकता था।" क्यों किसलिए? वह और उसका संदेश एक थे।

77 उसने कहा, "मैं और मेरा पिता एक है। मेरा पिता मुझ में रहता है।" वह परमेश्वरत्व की परिपूर्णता उसमे सदेह वास करती थी।

78 मैं सोचता हूं कि उस दिन यह इतना प्रहार करने वाला था, जब मैं *सात कलीसिया के युगों* को ला रहा था। कि उससे आरंभ करूं, मैं—मैं यीशु को समझ ना सका कि वहां वह खड़ा है... अपने सिर पर उस श्वेत के साथ था जो कि, कहा, "उसके बाल ऊन के समान श्वेत थे।" मैं समझ नहीं सका कि कैसे एक मनुष्य तैंतीस वर्ष का है बाल बर्फ के समान श्वेत होंगे।

79 मैंने एक अच्छे धर्मज्ञानी को बुलाया, पेंटीकोस्टल धर्मज्ञाता, एक अच्छा प्रिय मित्र। ठीक है, यह भाई जैक मूर था। वह तेज, बुद्धिमान मनुष्य

है। उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, यह यीशु महिमावंत था। उसके महिमामय होने के पश्चात वह ऐसा ही दिखा।" नहीं, मैं इसका विश्वास नहीं कर सका। नहीं।

मैंने—मैंने—मैंने कहा, "ठीक है भाई मूर, धन्यवाद।"

80 मैं वहां कमरे में गया और परमेश्वर से बातें करने लगा। मैंने अपने शब्दनुमा क्रमिणिका में पीछे डेनियल तक लिया, जहां यह कहा गया, "और प्राचीन के दिनों में आया, जिसके बाल ऊन के समान श्वेत थे।" मैंने कहा, "प्रभु, मैं—मैं—मैं नहीं जानता कि क्या कहना है, और मेरे पास उत्तरदायित्व है।" अब, यह उससे पहले था–... और स्मरण रखिए, सात मोहरे के खुलने से पहले था, लगभग एक या उससे अधिक वर्ष पहले। मैं वहां प्रार्थना कर रहा था कि, "प्रभु, यह क्या था? "

81 और मैंने अपने सन्मुख खड़े–खड़े देखा, कि वहां एक मनुष्य खड़ा है जो न्यायी है, और उस पर सफेद बालो की टोपी है। प्राचीन समय का वह पुराना न्यायी यह सफेद बालो की टोपी पहना करते थे वह दर्शाने के लिए कि वह एक सर्वोच्च प्राधिकार है।

82 और तब जब मैंने यीशु को सफेद बालो की टोपी के साथ देखा, मैंने कहा केवल यही प्रमाणित सत्य है जो हम जानते हैं, कि वह सर्वोच्च प्राधिकार है। परमेश्वर ने इसी बात की गवाही रूपान्तर वाले पर्वत पर दी, कहा, "यह मेरा प्रिय पुत्र है, इसकी सुनो, सर्वोच्च प्राधिकार!"

83 तब वहां पर पीछे सात मोहरों के आरंभ में, जब वे सात स्वर्गदूत उस पिरामिड के आकार में नीचे आए, वहां खड़े हुए और मुझे यहां वापस आने के लिए कहा और उन सात मोहरों पर बोलूं, और वह मेरे साथ होगा, उसने मुझे दिखाया वे खोई हुई चीजें क्या थी। मैंने हमेशा यह सोचा कि यह पुस्तक के पीछे मोहरबंद है और यह कुछ ऐसा होगा कि कुछ पुस्तक में ना लिखा हुआ होगा, परन्तु यह बदल गया कि यह बता दिया गया था जो कि वह यह नहीं कर सकता। यह कोई ऐसी चीज नहीं है जो पुस्तक में लिखी गई है... यह कुछ ऐसा है जो पुस्तक में छिपा हुआ था। "क्योंकि जो कोई भी इसमें से एक शब्द भी निकालेगा या इसमें एक भी शब्द जोड़ेगा... " इसलिए यह एक भेद है जो इन सात कलीसियी युग में इस पुस्तक में था। उनमें से प्रत्येक ने एक—एक भेद उत्पन्न किया, उस पानी के बपतिस्मे के विषय में और यह सारी दूसरी बातें जिसके विषय में लंबे समय से टटोलते

रहे।

84 तब जब वह ऊपर चला गया, तो कैलिफोर्निया में वे बड़े–बड़े आकाश का अध्यन करने वाले, नीचे मेक्सिको में, ट्यूसान में, हर कहीं, इसका चित्र उतारा जा रहा था। यह भेदपूर्ण दृष्य था। वहां भाई फ्रेड सोथमन थे, जो यहां पीछे बैठे हैं, और मैं और भाई जीन नोरमन, ठीक वहीं खड़े थे जब वह ऊपर गया। उन्होंने उसका चित्र लिया, अब भी वे नहीं जानते कि वह क्या था। यहाँ कुछ समय पहले, हर कोई कह रहा था, "यहाँ देखिए। यह *ऐसा* दिखाई पड़ता है, और वे सात स्वर्गदूतों के पंख, कि वे कैसे वहां पर मुड़े हुए हैं।"

85 एक दिन, सीधे हाथ की ओर घुमा कर देखा कि, वहां यीशु मसीह ठीक जैसा हॉफमैन ने कभी चित्रित किया था वहां था। यह वहां एक सफेद बालो की टोपी पहने खड़ा था, नीचे पृथ्वी की ओर देख रहा है, यह दर्शाता है कि वह सर्वोच्च प्राधिकार है। आकाश ने इसकी घोषणा की, बाईबल ने घोषणा की, संदेश ने इसकी घोषणा की, सब एक सा ही है। सर्वोच्च प्रधिकार, सफेद बालो की टोपी पहने हुए; आप उसकी काली दाढ़ी नीचे देख सकते हैं। आप में से बहुत सो ने चित्र देखा है। वहां हमारे पास है। उसे सीधे हाथ की ओर घुमाये, और इसे देखे। वहां पर वो है, बिल्कुल वैसे ही जैसे कि ये सिद्ध रूप से था, मानो उसका चित्र उतारा गया हो। वे इस गलत तरह के कोण से देख रहे थे। आपको इसे सही कोण से देखना होगा। और केवल प्रभु परमेश्वर इसे प्रगट कर सकता है जो कि सही कोण या दिशा है। अपने दाहिने ओर घुमाये और इसे देखे। वहां यह ठीक वैसा है, जैसे इसका चित्र उतारा गया था।

86 पहली बार जब मैंने कभी उसे देखा था, वह होफमैन के चित्रित *सिर के*... समान था। मैंने यह पहले कभी नहीं देखा था। वर्षों बाद, मैंने बिली की रविवार आराधनालय में इसे देखा। तब से मेरा घर बिना इस चित्र के कभी नहीं रहा।

87 तब, यहाँ आकाश में, यह कहा जा रहा था कि वही परमेश्वर जिसे मैंने दर्शन में देखा, वहां जब छोटा सा लड़का था देखा जहाँ पर यह स्कूल का भवन खड़ा है, वह ऐसा ही दिखता था। और यहाँ आकाश में, तैंतीस वर्षो के बाद, यह घोषणा करता हैं, कि यह सत्य है। वह इसी प्रकार दिखाई पड़ता है; ना कि किसी के रहस्यवादी विचार की तरह।

88 जैसा कि वेटिकन में है, उन्होंने वहां एक—एक—एक मसीह का चित्र बनाया है, दाढ़ी की एक छोटी सी सफेद गोलाई उसकी दाढ़ी के चारो ओर जो कि, लगभग आधा इंच लंबी है, *इस* प्रकार से उसके मुंह के ऊपर से को कर घूमी हुई है, और उसे मसीह कहते है।

89 जिससे मुझे उस यूनानी चित्रकार की याद आ गयी, जिसे मैंने प्राचीन आराधनालय में देखा था, दिखाया था कि आदम और हवा कैसे दिखाई पड़ते है; वे पशु या ऐसे कुछ दिखाई पड़ते है। यही है किसी आत्मिक चीज को संसारिक मस्तिष्क कैसे समझ सकता है। मैं सोचता हूं कि आदम सबसे सुंदर व्यक्ति जो कभी हुआ हो वह था, और हवा हर प्रकार से सिद्ध स्त्री थी।

90 अब शारीरिक मस्तिष्क अपने ही विचारों में समाया रहता है, तब परमेश्वर नीचे भेजकर चीजो को अपनी सामर्थ से खुलासा करता है। और बिल्कुल ठीक यही है जो यहाँ आहाब के दिनों में घटित हुआ था।

91 अब, हम पाते हैं कि एलिय्याह कह सकता था, क्योंकि समय का संदेश और परमेश्वर का वचन, या, संदेशवाहक, वो संदेश—वो संदेश, और वचन, बिल्कुल एक ही चीज थे। भविष्यवक्ता, वचन, संदेश; संदेशवाहक, संदेश और संदेश, एक ही चीज थे। यीशु ने कहा, "यदि जो मेरे विषय में लिखा गया है मैं ना करूं, तो मेरा विश्वास मत करो।" यह अच्छा है। कोई भी मनुष्य और उसका संदेश एक है।

92 यही कारण है कि वे आज परमेश्वर के कामो के करने में विश्वास नहीं करते, क्योंकि वे परमेश्वर के संदेश को स्वीकार नहीं करते हैं। वे संदेश का विश्वास नहीं करते।

93 परन्तु वे जो परमेश्वर के समय का विश्वास करते हैं, जिसमें हम रह रहे हैं, यह बातें छिपा हुआ भोजन है। जरा सोचिए, परमेश्वर ने इसे ऐसा छिपा रखा है कि वे ठीक उसकी ओर देखते हैं और इसे नहीं देखते। ठीक उसी प्रकार से जैसे एलिय्याह ने सीरिया की सेना को अंधा कर दिया था। उसी प्रकार से उस परमेश्वर ने अविश्वासी को बालक के सच्चे वास्तविक भोजन से जो विश्वासी का है, अंधा कर दिया।

94 उन्होंने नूह को क्या कहा, "एक धर्मान्धता," एक नाव बना रहा था, उसकी आंखें परमेश्वर के वचन और प्रतिज्ञा के लिए खुली हुई थी। वही बात जिसे वे धर्मान्धता कह रहे थे, उसी ने नूह को और उसके परिवार

को बचा लिया। उसी चीज को देखिए। वह चीज जिस पर लोग हंस रहे थे, उसी के लिए हम प्रार्थना करते हैं। वह बात जिसे लोग "पागलपन" कहते हैं, हम "महान!" कहते हैं! जिसे संसार "महान" कहता है, परमेश्वर उसे "मूर्खता" कहता है। और जिसे संसार "मूर्खता" कहता है, परमेश्वर "महान!" कहता है यह बिल्कुल सही और गलत के बीच का अन्तर है। यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है।

95 स्मरण रखें, वह परमेश्वर की योजना के अनुसार अपने गुप्त स्थान में चला गया, परमेश्वर की पुकार, और परमेश्वर के वचन के द्वारा। एलिय्याह परमेश्वर की पहले से ठहरायी हुई उसकी योजना के अनुसार, अपने गुप्त स्थान में चला गया, और अपने जीवन की दुहाई दी, और वचन के अनुसार। यदि हम इस प्रकार से प्रवेश नहीं करते, तो मैं नहीं जानता हम वहां कैसे पहुंचे।

96 और ध्यान दें, इससे पहले आकाल आरम्भ होता, एलिय्याह अपने गुप्त स्थान में पहुंच गया ताकि जीवित रह सके। इससे से पहले न्याय पृथ्वी पर आए यह उसका प्रतिक है, कलीसिया को पहले ही बुला लिया गया है, दुल्हन चुनी जा चुकी है, इससे पहले कि न्याय आए वह प्रतीक्षा कर रही है। पहले ही प्रतीक्षा कर रही है, परमेश्वर का भोजन खा रही है, परमेश्वर की आशीषों में आनंद ले रही है। कोई भी मनुष्य सही मनोस्थिति में यह जानता है कि हम सीधे आगे बढ़ रहे हैं, हम ठीक न्याय की घड़ी में हैं।

97 देखिए! भाई बैंक्स, और आप में से बहुत से व्यक्ति जो आज रात्री यहां है, जो वहां उस प्रात: वहां पहाड़ पर थे।

98 और मैं पहाड़ के विषय में अगले रविवार प्रात: बोलना चाहता हूं, प्रभु ने चाहा तो। एक महान प्रकाशन मिला है, कुछ आगे जिसे मैं आज रात्री बिना बताए नही रह सकता। परन्तु मेरे पास है... देखा? और यह सारे समय निरंतर, एक के बाद दूसरी चीज घटित हो रही है। समझे? यह घटित होने से कभी नहीं रुकेगी, क्योंकि यह **यहोवा यों कहता है** था।

99 आप में से प्रत्येक जो यहां पर है, हजारों हजार गुना जो टेप पर, मुझे यहां यह कहते हुए सुन रहे है, "**यहोवा यों कहता है** कि, यह *ऐसे* और *ऐसे* होगा।" और यहां तक कि अखबारों और पत्रिकाओं को इसे ऐसा होने की घोषणा करनी पड़ी। कि यह ऐसे ही है वे इसके विषय में कुछ नही जानते, परन्तु उन्होंने इसे देखा। वे नहीं जानते कि यह क्या है, परन्तु उन्होंने देखा

कि, इसने वचन को बिल्कुल सच्चा ठहराया।

100 हम यहां नदी पर खड़े हुए थे, कि प्रभु का दूत उस दिन नीचे उतर आया, तैंतीस वर्ष, या, यह 1933 था, नीचे उतर आया और उन बातों को बोला जो उसने की। चला गया, और बहुत सारे लोग वहां किनारे पर खड़े थे, कहा, "बिली, इसका क्या अर्थ है?"

101 मैंने कहा, "यह मेरे लिए नहीं था; यह आपके लिए था। मैं विश्वास करता हूं; कि आप नहीं समझे।" और बस निकल कर चला गया।

102 तब पास्टर ने मुझसे कहा, उसने कहा, "तुम्हारा मतलब तुम, सातवीं कक्षा की पढाई के साथ, तुम सारे संसार में जाकर, अधिपति और बड़े–बड़े लोगो और राजाओं और आदि–आदि के लिए प्रार्थना करोगे? और, ओह," कहा, "भूल जाओ इसे!"

103 मैं इसे नहीं भूल सकता, इसने मेरे ह्रदय पर गहरा प्रभाव डाला। अब यहाँ, तैंतीस वर्षो के बाद, हर बात जो उसने कही घटित हुई बिल्कुल ठीक उसी प्रकार से जैसा उसने कहा था कि होगा। वह परमेश्वर है और असफल नहीं हो सकता। वह सदा अपने वचन को पूरा करता है। वह... इसका कभी भी संदेह ना करें।

104 अब, ध्यान दें, वह परमेश्वर की योजना के अनुसार गया (पहले से ठहराई हुई), परमेश्वर के द्वारा बुलाया हुआ, और परमेश्वर के वचन के द्वारा बुलाया हुआ, और आकाल के होने से पहले अंदर चला गया।

अब, हम जानते हैं कि न्याय होने के लिए तैयार है।

105 उस दिन पहाड़ पर खड़े हुए, भाई बैंक्स वुड आज यहां खड़े है, वह पहाड़ पर चढ़ रहे थे। हो सकता है कि मैं फिर से इसका उल्लेख करूं, इसलिए ताकी आ इस प्रार्थना पंक्ति के लिए विश्वास बनाऊ जो अब होने वाली अगले दस, पंद्रह मिनटो में। मैं भाई बैंक्स के आगे–आगे चल रहा था। वह... मैं सोचता हूं कि उसने बहन रूबी को जब वह बीमार थी पीछे छोड़ दिया था। और वह मेरे पीछे आ गए, मैंने ध्यान दिया कि उनका चेहरा लाल था। मैंने पीछे मुड कर देखा। मैंने सोचा हो सकता है पहाड़ पर चढ़ना इनके लिए कठिन हो रहा है, इसलिए मैं थोड़ा धीमे हो गया। ठीक उन रेगिस्तानों में, ठीक *उस* प्रकार के पहाड़ो में, जहां पर प्रभु के स्वर्ग दूत प्रगट हुए। तब हम ठीक उसी दिशा में बढ़ रहे थे, जहां वे कुछ महीनों पहले प्रगट हुए थे।

106 और जैसे ही मैं पहाड़ पर चढ़ा, परमेश्वर का आत्मा... जब मैंने घूम कर पहाड़ की चोटी पर देखा, उसने कहा, "उस पत्थर को उठा कर, और उससे कहो, '**यहोवा यों कहता है**, कि तुम परमेश्वर की महिमा को देखने वाले हो, अगले कुछ घंटों में।'"

107 और मैंने बस पत्थर उठाया, और कहा, "भाई बैंक्स, मैं नहीं जानता क्यों," इसे हवा में फेंका, और मैंने कहा, "**यहोवा यों कहता है**, कि तुम परमेश्वर की महिमा को देखने जा रहे हो।"

उसने कहा, "इसका अर्थ रूबी है?"

108 मैंने कहा, "नहीं, मैं नहीं सोचता कि इसका तुम बैंक या रूबी से कोई लेना–देना है। मैंने ऐसे सोचा कि यह ऐसे ही, '**यहोवा यों कहता है**, है कुछ घटित होने वाला है।'"

109 और अगली प्रात: जब हम वहां खड़े हुए थे, बहुत से व्यक्ति, मैं नहीं जानता कि अब यहां कितने बैठे हुए हैं, वहां बारह या चौदह, हम में से पंद्रह वहां बैठे हुए थे। अचानक से एक सेवक चलता हुआ मेरे पास आया और उसने कहा, "भाई ब्रन्हम," उसने कहा, "मेरा नाम *अमूक–और–अमूक* है।" कहा, "मैं कैलिफोर्निया की सभाओं का एक वित्तिय सहायक हूं।"

110 मैंने कहा, "श्रीमान, मैं आपसे मिलकर प्रसन्न हूं।" डगलस मैकहोग। उसने कहा, "मैं हूं..." मैंने कहा, "मुझे आपसे मिलकर प्रसन्नता हुई।" उसके साथ हाथ मिलाया।

111 उसने कहा, "अच्छा, तो, मैं आपसे एक प्रश्न पूछना चाहता हूं।" कहा... रॉय रॉबर्सन, यहां ट्रस्टी यहां है; भाई वुडस, टेरी और बिली, और, ओह, भाई मैक एनली, और मैं नहीं और सब कितने वहां खड़े थे। और मैं... उसने कहा, "मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं।" उसने कहा, "क्या प्रभु ने कभी आपको इस प्रकार का दर्शन दिया?"

112 मैंने कहा, "हां, भाई, परन्तु मैं यहां इसलिए आया हूं कि एक प्रकार से इससे अलग रहूं, और विश्राम करूं।"

और मैंने *इस* प्रकार से चारों ओर देखा, और मैंने देखा कि एक मोटा सा डॉक्टर उसकी ओर देख रहा है, कहा, "रेवरंड मैकहोग, आपके आंख की यह एलर्जी जल्द ही आपकी आंख को बाहर निकाल देगी। मैं दो वर्षों से आपका उपचार कर रहा हूं, और इस विषय में मैं कुछ नहीं कर सकता।"

और मैं उसकी ओर घूमा। मैंने कहा, "जो आपने मुझ से पूछा है, क्योंकि आपके डॉक्टर ने उस दिन आपसे कह दिया है, 'जो एलर्जी आपकी आंख में है।'" यह बीच दिन की बात थी, लगभग ग्यारह बजे, और वह धूप का चश्मा लगाए हुए था। मैंने कहा, "आप यह चश्मा सूरज के कारण नहीं पहना हुआ हैं, यह आपकी आंख के कारण। उसने आपको बताया है कि आप की 'उस आंख खत्म होने वाली हैं।'"

और वह रोने लगा, बोला, "यह ठीक बात है।"

113 मैं चलने के लिए फिर से घूमा, मेरे हाथ में बेलचा था। और मैंने देखा; मैंने उसे वहां खड़े हुए अपनी ओर देखते हुए देखा, उसकी आंखें चमक रही थी। मैंने कहा, "परंतु **यहोवा यों कहता है**, कि तुम अपनी वह आंख नहीं खोओगे।" मैं इस पिछले शरद रुतु में उसके साथ शिकार खेल रहा था, वह मुझसे अच्छा देख सकता है और कोई भी भीड़ में। वह कभी नहीं...

114 और मैंने देखा कि एक बूढी महिला ने अपना लम्बा मोजा नीचे खसकाया और एक ओर से अपना स्कर्ट उठाया। उसने कहा, "पुत्र, यदि तुम भाई ब्रन्हम से मिलो, तो उनसे मेरे पैरों के लिए प्रार्थना करने को कहना।" और मैंने वहां नीचे देखा, और छोटा... जो फोड़े के समान दिखायी पड़ रहा था, उसके पैर पर से चारों ओर लटक रहा था।

115 मैंने कहा, "तुम्हारी माँ सफेद बालों वाली महिला है। 'मेरे पुत्र,' तुम देखो। तुम्हारे निकलने से पहले उसने तुमसे कहा, यदि तुम मुझे मिलो, तो मुझ से उसके पाँव के लिए प्रार्थना करने लिए कहना। उसे छोटे–छोटे ट्यूमर हैं, जैसे, उसके पैरों पर लटक रहे थे।" वह बेहोश होने को हो गया।

कहा, "यह सत्य है।"

मैंने कहा, "उसको बताना चिंता ना करे। यह ठीक हो जाएगा।"

116 मैं चलने के लिए शुरू हुआ। तब मैंने परमेश्वर की आवाज को सुना, कहा, "यहां से जल्दी से हट जाओ।"

रॉय रॉबर्सन वहां खड़े हुए थे, यह जानते हुए कि वे युद्ध के अनुभवी है, मैंने अपना हाथ उनके कंधे पर रखा, मैंने कहा, "भाई रॉय, जितनी जल्दी हो सकता है, छुप जाओ!"

बोले, "क्या बात है? "

मैंने कहा, "यहां से हटो! छिप जाओ!"

117 और मैंने चलना आरम्भ किया, अपना बेलचा नीचे रख दिया, घूम कर अपनी टोपी उतार ली। और यहां वह आ गया, परमेश्वर की महिमा चक्रवात में आ रही थी जिसने पहाड़ के किनारो को इस प्रकार से तोड़ दिया, और धमाका हुआ और उस स्थान को इस प्रकार हिला दिया, झाड़ियों की चोटियां कट गयी; मेरे सिर से लगभग तीन या चार, मेरे सिर से पांच फीट ऊपर। एक कीप के समान ऊपर चला गया; और उसमे फिर धमाका हुआ। और, यहाँ यह तीन बार आता है।

118 तब जब यह तीसरी बार उठा, भाई बैंक्स आए, और बोले, "आप इसी के विषय में बात कर रहे थे? "

मैंने कहा, "हां।"

कहा, "यह क्या था? "

119 मैंने कहा, "परमेश्वर चक्रवात में प्रगट होता है।" मैं नहीं जानता था कि मुझे लोगों को बताना है या नहीं वह क्या चाहता था।

120 तब मैं गया और थोड़ी सी प्रार्थना की। तब उसने मुझे बताया कि मैं उन को बता सकता हूं। मैंने कहा, "यह पश्चिमी तट पर न्याय है।" आज उसे देखे! देखिए उसके कुछ घंटों के बाद क्या हुआ: अलास्का डूब गया। और अब सब कुछ नीचे जा रहा है। हम न्याय में प्रवेश कर रहे हैं। अनुग्रह ठुकराया जा चुका है।

121 लेकिन परमेश्वर का धन्यवाद हो, हमारे पास छिपा हुआ भोजन, आत्मिक भोजन है, कि हम उसकी भलाई और यीशु मसीह के प्रकाशन के अनुग्रह पर इन अंतिम दिनों में रह रहे हैं, अपने लोगों पर स्वयं को सिद्ध कर रहा है। आमीन! वे अंदर गए। एलिय्याह अकाल के आने से पहले अंदर चला गया। परमेश्वर का धन्यवाद हो कि न्याय होने से पहले वह यहां पर है। अब यह वह समय है कि बाहर निकले और अंदर चले जाए, उन संस्थाओं से बाहर निकले और मसीह में चले जाए, बाहर निकल कर भीतर प्रवेश करने का समय है, उन सारे सच्चे विश्वासियों के लिए।

122 तब उसे बुलाया गया था, और अन्दर रुका रहा। स्मरण रखे, उसने उस सोते को जब तक उसे परमेश्वर ने नहीं बुलाया नही छोड़ा।

123 और जब अकाल समाप्त होने पर था, उसने उसे वहां उस विधवा के घर पर बुलाया। ध्यान दे, उसने इस विधवा को पुकारा। और इस विधवा

ने स्वयं को अविश्वासियों से अलग रखा था; अकाल के समय पशु की छाप लेने को। इसलिए उसने उसे बुलाया... एलिय्याह को बुलाया कि इस विधवा को जीवित रखे। उनके पास एक छोटी सी रोटी थी, एक छोटी सी चीज पर वह निर्भर कर रही थी। और एलिय्याह ने कहा, "उसे पहले मुझे दे। क्योंकि, **यहोवा यों कहता है**, ना तो तेरा बर्तन खाली होगा ना ही कुप्पी सूखेगी, उस दिन तक जब तक कि प्रभु परमेश्वर इस पृथ्वी पर वर्षा ना भेजे।" पहले परमेश्वर को, उसके वचन को रखते हुए!

124 ध्यान दे, वहां उस बर्तन आटा था। हर बार जब वह भोजन के बाद जाती, तो वहां बर्तन में आटा होता। उस कुप्पी में तेल था, हर बार वह इसके लिए जाती थी। क्यों? आटा मसीह को अन्न बली में दर्शाता है। हर पाट को उन्हें पीसने के लिए, व्यवस्थित किया जाता है। उसका हर बार का गुधा हुआ आटा एक सा था, जो यह दर्शाता है कि वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। वह वचन था, जीवन की रोटी जो संदेश के बाद आती है, कि वचन को प्रमाणित करे।

125 मित्रो, आज भी ऐसा ही है। ऐसा ही आज है, जीवन की रोटी जो बालक खाते हैं, परमेश्वर के संदेश के बाद आती हैं, ताकि वे आकाल के समय जीवित रहे। क्या हो यदि वह आज हमारी उपस्थिति में खड़ा हो? क्या हो यदि वह इस समय हमारी उपस्थिति में खड़ा हो? तो वह ठीक उसी प्रकार से कार्य करेगा जो उसने उन दिनों में किये थे जब वह इस पृथ्वी पर देह में था। दुल्हन अपने पति का भाग होती है, ऐसे ही कलीसिया मसीह की है। "जिन कामो को मैं करता हूं तुम भी करोगे।" और यह वचन है जिसने यह किया है। उसने हमें बताया है वह चीजें उसने की हैं तो उनको हम भी करेंगे।

126 अब हम यहां फिर से देखते हैं, यदि वचन हम में है और हमारे पास आया है, जैसा कि एलिय्याह ने उस दिन में किया था, तो यह वही काम को करेगा जो उसने किया, वह परमेश्वर की भेद भरी बातों पर खायेगा निर्भर करेगा जो कि संसार से छिपी है। ओह! यह फिर से, संदेश और संदेशवाहक को एक बना देता है। आत्मिक भोजन तैयार है, और यह अब अपने समय में है। और यदि आप चाहे तो आप में से प्रत्येक इस भोजन को खा सकता है, यदि आप इसे चाहते हैं, यदि आप इस समय के सारे अविश्वासो से बचना चाहते हैं, यदि आप मसीह में आने के लिए तैयार हैं,

तो उसकी प्रतिज्ञा में आ जाए।

और उसकी उस प्रतिज्ञाओ को स्मरण रखे, मलाकी 4 में, लूका 17:30, संत यूहन्ना 14:12 में भी है, और कितने ही और पवित्र लेख है, बताने के लिए, योएल 2:38 और वह सब जो वह करेगा, या 2:28, बल्कि, वह जो इन अंतिम दिनों में करेगा। और कैसे भविष्यवक्ता ने कहा कि अन्त के दिनों में उजियाला होगा, यह कैसे कार्य करेगा, यह क्या करेगा, सारे पवित्र वचन अंतिम दिनों की ओर संकेत करते हैं। और यह मसीह है! यदि आप अब इसमें छिप सकते हैं, उस गुप्त स्थान में, तो आप परमेश्वर के अनुग्रह और भलाई को खा सकते हैं और देख सकते हैं। यदि आप रोगी हैं, तो वहां चंगाई है।

127 आपको स्मरण है, जब बाद में, एलीशा को बुलाया गया था... उसके पश्चात जब उसने अन्न–बलि चढ़ायी थी, मसीह, और विधवा के घर को उससे जीवित रखा। ध्यान दें, बाद में जब उसने स्वर्ग में से आग नीचे बुलाई, और आदि–आदि, और स्वयं को परमेश्वर की ओर से भेजे जाने को प्रमणित किया, भविष्यवक्ता की आत्मा।

128 ध्यान दें, जंगल में, जब वह वहां पर भाऊ के वृक्ष तले लेटा हुआ था, एक दूत उसी प्रकार के भोजन के साथ नीचे आया, और कुछ रोटियां बना कर और उसे खिलाया। और थोड़ी देर बाद वह फिर से सो गया, और उसे उठाया, और उसके लिए फिर से कुछ और भोजन की रोटियां बनाई। और वह उन रोटियों की ताकत से चालीस दिन तक चलता रहा। परमेश्वर की महिमा हो! वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। ओह, हम उससे कितना प्रेम करते हैं, आत्मिक भोजन अपने समय में!

129 "यह वह भोजन नही है कि बालको की रोटी लेकर कुत्तों को दी जाए।" क्या यीशु ने यही बात सूरुफिनी स्त्री से नहीं कही थी? वह केवल अपनों के पास भेजा गया था। यह ठीक बात है। और वे ही जिनके पास वह आया... वह अन्यजातियों के पास कभी नहीं गया।

130 और अब आज वह अन्यजातियों से उनके समय में भेंट कर रहा है, और यह वह नहीं...

131 आप कहते हैं, "कि यह संदेश इन बड़े–बड़े स्थानों में, इन बड़े धर्मयुद्धों में जैसे नामधारी कलिसियाओं में है, क्यों नही जाता, जैसे संप्रदायों के बीच? "

132 यह उनका भोजन नहीं है। यह कहलाने वाली कलीसियाओं का भोजन नहीं है। यह दुल्हन का भोजन है। यह आत्मिक भोजन समय पर है। यह उनका पेट खराब कर देगा। यह उनके लिए बहुत भारी है। समझे? समझे? आप—आप—आप इसे नहीं कर सकते। परन्तु, बालको के लिए, यह रोटी है, ये जीवन है, यह यीशु मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है।

133 हमें बहुत देर होने जा रही है, यदि हम अब भी प्रार्थना पंक्ति ना आरंभ करे, आइए हम अपने सिरों को कुछ क्षण के लिए झुकाएं।

134 प्रिय परमेश्वर, ऋतु का भोजन, आत्मिक भोजन। कुछ ऐसा जिसके लिए संसार कुछ नहीं जानता। हम ने कैसे उस रात्री प्रभु को कहते सुना, या उस दिन वहां सामरिया में, उसी स्थान पर जहां एलीशा चला और कहा, "क्यों, जब तक मैं ना कहूं ओस की एक बूंद भी ना गिरेगी।" यहाँ यीशु खड़ा हुआ अपने चेलो को बता रहा था।

कहा, "गुरु, तू क्यों नहीं खाता? "

उसने कहा, "मेरे पास वह भोजन है जिसके विषय में तुम नहीं जानते।"

135 सत्य में, प्रभु, उसका भोजन परमेश्वर की इच्छा पूरा करने के लिए था, कि परमेश्वर के कार्यों को उसके समय में प्रगट करे। वह वहां था कि देखे यह हो चुका था। "मैं तब तक कुछ नहीं करता जब तक मेरा पिता पहले मुझे दिखा ना दे। जो पिता मुझे दिखाता है, वह मैं करता हूं।"

136 और, पिता, ऐसा ही आज है। वह कलीसिया, सच्चा विश्वासी, विश्वासियों की देह, भोजन पर पहुंच गयी है, आत्मिक भोजन, जिसके विषय में जो नाम के कहलाते है कुछ नहीं जानते हैं। पिता, संसार इस भोजन के विषय में कुछ नहीं जानता। परन्तु आपकी कलीसिया, आपके लोग, आपके पुत्र की दुल्हन, इससे प्रेम करती है।

137 जब डॉक्टर असफल हो जाते हैं, हमारे पास चंगाई के लिए पहुंच होती है। हमारी पहुंच इस तक है। यह परमेश्वर का एक भोजन है भोजनों में से एक है, जिसे उसने अपनी कलीसिया को दिया है, और अंत के दिनों में उसने अपने विश्वास करने वाले बालको से प्रतिज्ञा की है। और पिता, हमारी सहायता कर कि विश्वासी बालक बने, क्योंकि विश्वासियों के लिए सब कुछ संभव है। प्रिय परमेश्वर, इसे ग्रहण करे। हम यीशु के नाम में मांगते हैं। आमीन।

138 मैं विश्वास करता हूं कि बिली ने मुझे बताया कि उन्होंने कुछ प्रार्थना पत्र बांटे हैं। यदि उस प्रार्थना पत्र के ऊपर का अक्षर कोई मुझे बताए, बस मैं इतना ही चाहता हूं। [कोई कहता है, "सी।"—सम्पा।] तो ठीक है हम सी को एक ले, आरम्भ करे, जब तक हम अपनी पंक्ति को आरंभ ना करे। देखिए, अब, वे सब जगह हो सकता है। अब, यदि हर कोई... ठीक है, देखिए, मैं इसे करने का यत्न कर रहा हूं। मैं नहीं जानता कि हम इसे कर सकते हैं या नहीं। या फिर हम पुकारने वाली पंक्ति को ले; आप शांत बैठे रहे। इससे मुझे कोई अन्तर नहीं पड़ता। यदि आप बल्कि यहाँ मंच पर आना चाहते हैं, या आपके पास एक बुलाने वाली पंक्ति है, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, बस किसी भी तरह से। मैं पूर्णत: पवित्र आत्मा पर निर्भर कर रहा हूं। मैं इस पर निर्भर हूं कि वह इस वचन की रक्षा करे जो मैंने प्रचार किया है।

139 भाई जॉर्ज राइट, मैं इसका विश्वास करता हूं। बचपन से जब से मैं आपके घर आ रहा हूं, बहुत वर्षो पहले, उस पेड़ में पुराने चक्रवात को जो था उसे सुना, मैं अब भी उसी संदेश का विश्वास करता हूं। मैं विश्वास करता हूं कि यह वही है।

140 ठीक है, मैं देखता हूं कि पीछे से वे प्रार्थना पंक्ति के लिए हट रहे हैं। ठीक है, प्रार्थना पत्र सी, नंबर एक, दो, तीन, चार, पांच, पहले आये और ठीक यहां खड़े हो जाए। यदि आप खड़े नहीं हो सकते, यदि आप अपने हाथों को उठाएंगे, तो कोई आकर आपको ले लेगा। [कोई भाई ब्रन्हम से बात करता है—सम्पा।] (यह क्या है? जी हां। हूं–हुंह।) प्रार्थना कार्ड सी, एक, दो, तीन, चार, पांच। और अब ध्यान दे, आप जिनके पास प्रार्थना पत्र नहीं है...

141 अब, बहुत लंबे समय से मेरे पास ऐसी प्रार्थना पंक्ति नहीं हुई। कितनों को मेरी प्राधिकार स्मरण है जब हमने यहां आराधनालय बनाया था? कहा, "एक सुसमाचारक फ़ैलाने का कार्य करो।" क्या नहीं कहा कि मैं एक सुसमाचारक फ़ैलाने वाला था। कहा, "एक सुसमाचारक फैलाने का कार्य करो," देख, "क्योंकि समय आएगा जब इसे बदला जाएगा।" वह समय आ रहा है। ठीक है। अब, इसमें, वह...

142 आप दो या तीन अलग–अलग सेवकाईयों को एक साथ नहीं मिला सकते, एक ही समय में। पास्टर और सुसमाचार फैलाने वाला, आप एक—

एक ही समय में भविष्यवक्ता, और हो सकता है पास्टर नही हो सकते, क्योंकि आपके पास भिन्न–भिन्न सेवाए है।

143 परन्तु मुझे अपने सन्देश में क्या करना चाहिए जो प्रभु ने मुझे दिया। परन्तु तब उसने कहा, "सुसमाचारक फैलाने का कार्य कर, अपनी सेवकाई को सिद्ध कर, क्योंकि समय आएगा, जब वे खरा उपदेश ना सह सकेंगे।" यदि वह अभी नहीं आया है! प्रत्येक नामधारी कलीसिया ने मुझे अस्वीकार कर दिया है। वे खरा उपदेश ना सह सकेंगे। "परन्तु अपनी अभिलाषाओं के कारण वे अपने लिए स्वयं उपदेशक चुन लेंगे, और वे कथा कहानियों में अपने मन को लगाएगे। यन्नेस और यम्ब्रेस ने मूसा का सामना किया और वे अपने लाभ के लिए बड़े–बड़े कार्य करेंगे, परन्तु उनकी मूर्खता प्रगट हो जाएगी।" समझे? समझे? ठीक है, नकल करना! आप देखिए कैसे यम्ब्रेस...

144 और, स्वर्ग का परमेश्वर जानता है, कि हां कोने के पत्थर में है–... (उस आराधनालय के)... –पत्थर में 1933 से रखा है, एक बाईबल के एक पृष्ठ पर लिखा हुआ, वह रखा है। देखिए उन्होंने यह कैसे किया है। देखिए क्या घटित हुआ है। ठीक वैसे ही नकल। कहा, "उन्हें रहने दो, उनकी मूर्खता भी वैसे ही प्रगट हो जाएगी जैसे यन्नेस और यम्ब्रेस की हो गई थी।" यहां अब हम उस दिन में हैं।

145 जब हम कोने का पत्थर रख रहे थे मैंने कलीसिया को देखा, लोग देवडियो पर खड़े थे और हर कहीं, और आराधनालय की दीवार से लगे चारों ओर खड़े थे। आप वही पर है। उन्होंने कहा, जब यह बनकर खड़ा हुआ, इस नगर के लोगों ने यहां कहा, "छह महीने के अंदर... " हमारे पास एक डॉलर और अस्सी सेंट आराधनालय बनाने के लिए थे, और बहुत से मोटर ठीक करने वाले लोगों ने सोच लिया था कि यह उनके लिए गाड़ी मरमत्त का स्थान होगा। परन्तु यह अब भी परमेश्वर की भेड़ों के लिए खाने का स्थान है।

146 एक, दो, तीन, पांच, छह, सात, आठ, नौ, दस। सी, छह, सात, आठ, नौ, दस। ठीक है।

147 अब, "मुझ, प्रभु ने इसे लगाया है, मैं ही इसे दिन और रात सींचूंगा, ऐसा ना हो कि इसे मेरे हाथ से कोई ले ले।" आलोचना को देखिए! इसका पक्ष में कोई नामधारी कलीसिया नहीं है। आसपास यहां कोई भी कलीसिया

इस प्रकार की नहीं है। राष्ट्र में कोई पेंटीकोस्ट नहीं, इसे बचाए रखने के लिए कुछ नहीं है। हर कोई पानी के बपतिस्मे के विरुद्ध है, हर कोई सारी बातों के विरुद्ध में है। यहां तक कि मेरा अपना परिवार, मेरे अपने पिता ने मुझे अपने द्वार से भगा दिया, मेरे कपड़े कागज के थेले में थे और रहने के लिए न्यू अल्बनी चला गया। ठीक है।

परन्तु बहुत से खतरों, कठिन परिश्रमों और फंदों में से
होते हुए,
मैं पहले ही निकल चुका हूं;
यह अनुग्रह है जो मुझे इतनी दूर तक लेकर आया है,
मैं छप्पन वर्ष का हूं, और जल्द ही मुझे नदी के पार जाना है।
अनुग्रह मुझे वहां ले जाएगा।
जब मैं वहां दस हजार वर्षों के लिए,
चमकदार सूर्य में होऊंगा;
तब हमारे पास परमेश्वर की स्तुती गाने के लिए कम
दिन ना होंगे
तब जब हमने पहले आरंभ किया था।

ओह, मैं यीशु को कितना प्रेम करता हूं! वह मेरे लिए समस्त संसार है!

148 ओह, ठीक है, मैंने कितने किए... ? मैंने कहा छोड़ा था, दस? क्या हम कुछ और ले सकते हैं? ठीक है। वह क्या था, दस, पंद्रह? ठीक है। सी, दस से पंद्रह, आप जहां कहीं भी हो, यदि आप खड़े हो सकते हैं और यहां आए। क्या कहा? हूंह? ठीक है। तो सी, पंद्रह से बीस। इसे सी, पंद्रह से बीस कर दे। यह दस और लोग हो जाएंगे। हम देखते हैं... आप देखिए—देखिए पंक्ति कहां पर खड़ी है, हम उन्हें—उनमें भीड़ ना लगाने दे। और हम... ठीक है।

149 अब मेरी ओर अपना पूरा– पूरा ध्यान दे; हम अधिक देर ना लगायेंगे। परन्तु, अब, ओह, क्या ही घडी है, क्या ही समय है! मैं—मैं चाहता हूं कि हर एक जन प्रभु से प्रेम करे। मैं—मैं यह चाहता हूं कि हम सब अन्तर्निहित शक्ति के इस मिनट को अनुभव करने के लिए उस बिन्दू पर पहुंचे। आइए हम इसका यत्न करे। केवल अपना ध्यान मेरी ओर रखे।

150 हम यहाँ क्या—क्या करने का यत्न कर रहे हैं? हम परमेश्वर के वचन को परखने के लिए रख रहे हैं। एलिय्याह ने भी यही किया, जब वह यह

जान गया कि वह परमेश्वर की ओर से यह करने के लिए भेजा गया है तो वह पहाड़ पर चला गया । उसने कहा, "अब हम सिद्ध करें कि कौन परमेश्वर है, जो परमेश्वर आग से उत्तर दे, वही परमेश्वर हो।"

151 और मूर्तिपूजक काटते है, ओह, कहते है, "अच्छा, निश्चय ही, नहीं... " वे—वे मूर्तिपूजक जानते है कि आग नही गिरेगी, इसलिए वे चिल्लायेगे और करते जाएगे।

152 परन्तु एलिय्याह जानता था कि आग गिरेगी, क्योंकि उसे प्रभु से दर्शन मिला था।

आप कहते हैं, "उसे दर्शन मिला था? "

153 जी हां, श्रीमान! जब उसने हर चीज व्यवस्थित करके रख दी, उसने कहा, "प्रभु, मैंने तेरी आज्ञा के अनुसार सब कुछ कर दिया है।" और तब आग गिरना आरम्भ हो गयी। जब परमेश्वर का वचन उस पत्र के अनुसार हुआ, तो यह परमेश्वर का कार्य है कि बाकी की वह चिंता करे। वह केवल आपसे कहता है कि वहां पर इसे रख दो। और इस बात में निश्चित हो कि उसने आपको इसे वहां रखने के लिए बुलाया है। समझे? और यदि आप बुलाए हुए हैं, तो वह बाकी सब की चिंता कर लेगा।

154 अब, यहां लोग इस पंक्ति में से होकर आयेंगे जिसके लिए मैं प्रार्थना करूंगा... अब, ठीक है, आप अब दीवार के किनारे–किनारे हो जाए, ठीक है, कि पंक्ती को आरंभ किया जाए। अब, पहले, कम से कम कहीं तो यहाँ पर इस भवन में, कुछ लोग...

यहां पर कितने लोग बीमार हैं और उनके पास प्रार्थना पत्र नहीं है, अपने हाथ खड़े करे। देखिए, लगभग सब तरफ। अब, आप जानते हैं यदि हमारा प्रभु... और मैं विश्वास करता हूं कि वह करेगा, यदि वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। वह प्रार्थना पंक्ती को चलाता है। लोग उसके पास लम्बी–लम्बी पंक्तियों में, भीड़ में आते है, वह उनको छूता था, उन्हें आशीष देता था। तब वह एक बार रुका और बोला, "मुझे किसने छुआ? " चारों ओर देख कर, उसने उस महिला को बताया कि उसने उसे किस लिए छुआ; और कहा उसका लहू बहना बन्द हो गया, उसके विश्वास ने उसे चंगा किया।

155 क्या हो यदि वह घूमकर कहती, "प्रभु, मैं नहीं जानती, मुझे यह बहुत दिनों से था"? यह नहीं होगा। नहीं, यह नहीं होगा। नहीं।

156 क्या होता यदि उसने सूरूफिनी स्त्री को बताया, "क्योंकि यह वचन जो तू ने कहा की, तेरी पुत्री, शैतान उसमें से निकल गया," यदि वह कहती, "अच्छा, अब, प्रभु, मैं—मैं चाहती थी कि तू *इस* प्रकार से करें"? वो—वो शैतान अब भी लड़की में होता। परन्तु उसने अपनी लड़की को उसी दशा में पाने की आशा की जिस प्रकार से उसने कहा था कि वह उसे पाएगी।

157 अब, उसने हमें बताया, "यदि तू विश्वास कर सके! यदि तू इस पहाड़ से कह सकता हैं कि, 'हट जा,' और अपने हृदय में संदेह ना करें, परन्तु विश्वास करें कि जो तू ने कहा है घटित होगा, तो तू इसे पा सकता हैं। जब तू प्रार्थना करे, तो विश्वास कर कि तू ने पा लिया, तो तुझे दे दिया जाएगा।" क्या ही प्रतिज्ञा है!

158 अब वह व्यक्ति जो सामाजिक सुसमाचार प्रचार करता है, इसका बिल्कुल भी विश्वास नहीं करता। वह दरवाजे तक जाएगा, अंदर देखेगा, या वहां खड़ा रहेगा, और कहता है, "अच्छा, बस पवित्र शोर मचाने वालो का एक और झुंड," और चला जाता है। समझे? परन्तु वह यह नहीं जानता कि यह गुप्त मन्ना है। वह नहीं जानता कि यह वह गुप्त बात है जो कि उससे छिपी हुई है। वह यह नहीं जानता। यह—यह—यह दयनीय है, एक मस्तिष्क जो नंगा, बेचारा, अंधा, और यह नहीं जानता। समझे? यह एक बुरी बात है।

159 ओह परमेश्वर, मैं मर जाऊं, परन्तु मुझे कभी ऐसा ना होने देना। ऐसा करने मैं मरना अच्छा समझूंगा (जी हां, श्रीमान)। और मैं सोचता हूं हम में से हर एक यही चाहेगा, क्या नहीं?

160 परन्तु, अब, परमेश्वर ने अन्तिम दिनों में हमसे इसकी प्रतिज्ञा की है। मलाकी 4 में, कहा कि यीशु मसीह नीचे आएगा और सदोम के समान मानव देह का रूप धरेगा। यह ठीक बात है। और कहा कि संसार सदोम की दशा में होगा। और कहा, "जैसा कि तब था, मनुष्य का पुत्र उस दिन प्रगट होगा।" देखिए, यह व्यक्ति जो मनुष्य के रूप में नीचे उतरा, अब्राहम के पास जो कि "एलोहिम" था, इस प्रतिज्ञा के पुत्र के आने से पहले। देखिए यह क्या था, अब्राहम ने कहा कि यह परमेश्वर था। और बाईबल कहती है उसके पास तीन व्यक्ति आए, उनके कपड़ों पर धूल थी, यात्रा पर से, बैठ गए और मनुष्यो के समान खाना खाया। और यीशु ने कहा, "ठीक उस

समय जब संसार सादोम की दशा में होगा, तब मनुष्य का पुत्र स्वयं को फिर से प्रगट करेगा।" परमेश्वर का पुत्र नही, मनुष्य का पुत्र, देखो, स्वयं को प्रगट करेगा।

161 अब उस पर चिन्ह लगाए अंतिम भविष्यवक्ता ने क्या कहा, "देखो, मैं तुम्हारे पास एलिय्याह भविष्यद्वक्ता को भेजता हूं, और वह बालकों के हृदयों को पूर्वजों की ओर फेरेगा।" समझे? एक संदेश उन्हें बाईबल की ओर फेरेगा और मनुष्य का पुत्र स्वयं को उस दिन में प्रगट करेगा। और उस अंतिम कलीसिया काल में सातवें दूत के शब्द देने के दिनों, परमेश्वर का गुप्त मनोरथ उस दिन प्रगट होगा। सात मोहरें तोड दी जाएगी। इन सारी कलीसियाओ के भेद और बातें कि, वे कैसे घटित हुई, और क्या... कैसे, क्या घटित हुआ।

162 देखिए, वे यह नहीं जानते। यीशु ने कहा, "तुम अंधे फरीसियो!" कहा, "यदि अंधा अंधे को मार्ग दिखाए, तो क्या वे दोनों गड्ढे में ना गिर जायेंगे? " देखिए, यही कारण है कि वे लोग यह नहीं देखते।

163 इसका भेद वे मोहरें है, उन में से, प्रत्येक कलीसिया संस्थागत हो गई और उसमें चली गई, और यह वह भेद भरी बात थी जो परमेश्वर के सन्मुख गलत थी। डॉक्टर ली, क्या आप यह देखते है? देखिए। यह है। यह चीज ठीक वहां पर है। यह उन भेदों में से एक है। वे संस्थागत हो गए और देखो, और परमेश्वर की इच्छा से पूर्णत: बाहर निकल गए। और यह अन्तिम दिनों में प्रगट किया जाएगा, और लोगों की अगुवाई की जाएगी, कि धर्म मतसार या नामधारी कलिसिया ना हो, परन्तु सच्चे वचन की ओर वापस आए। और सच्चा वचन विशेष झुण्ड के लोगों के पास आएगा, और मनुष्य का पुत्र स्वयं को उनके मध्य में प्रगट करेगा, "कल, आज और सर्वदा एक सा है।"

164 ओह, प्रभु! ओह, मैं इसे पसंद करता हूं। मैं प्रेम करता हूं—मैं उस पर घमण्ड करना मुझे प्रिय है। मैं उसे लोगों के सामने उसे बड़ा बनाना मुझे अच्छा लगता है। मुझे उसे बड़ा नहीं बनाना है; वह तो पहले ही से महान है। वह इतना ऊंचा है कि आप उसके ऊपर नहीं आ सकते, वह इतना गहरा है कि आप उसके नीचे नहीं जा सकते, वह इतना चौड़ा है कि आप उसका चक्कर नहीं काट सकते, और तब भी उसके लिए आपके हृदय में स्थान है। क्या आप उसे ग्रहण नहीं करेंगे? हमारा प्रभु कितना अद्भुत है! ठीक है।

165 अब हम वास्तव में शांत हो जाये, हर कोई। अब, हमने इसके विषय में बात की है। और अब इसकी बात यह है, क्या यह सत्य है? अब, हो सकता है यहां कोई अपरिचित हो। मैं कह सकता हूं यदि... आप से, यदि मसीह कल, आज और सर्वदा एक सा है, तो वह इस मिनट में क्या करेगा? वह वही बात को करेगा जो उसने यहां पर जब वह पहले था, किया था। क्या यह ठीक बात है? लोगों का विश्वास उसके वस्त्र को छू लेगा, और वह घूमेगा। जैसे उसने कुएं पर उस स्त्री के साथ किया, और उसने दूसरे–दूसरे स्थानों में किया, और उसने उनके विचारों को परख लिया।

अब, आप कहते हैं, "क्या वह मुझे चंगा कर सकता है? "

166 उसका वचन कहता है कि यह वह पहले ही कर चुका है। परंतु इसमें बात यह है कि वह अपने आप को प्रकट करे कि वह यहां पर है।

167 अब, यदि वह हम पर भौतिक शरीर में प्रकट हो, और बिल्कुल ठीक हॉफमैन वाले *तैंतीस वर्ष में मसीह का सिर,* और लहू उसके हाथो से निकल रहा हो, और आदि–आदि, उस पर कीलों के दाग हो, मैं इसे स्वीकार नहीं करूंगा। नहीं, नहीं। नहीं, नहीं। जब वह स्वयं से आता है, "तो हर एक आंख उसे देखेगी, हर एक जुबान उसका अंगीकार करेगी; और जैसे बिजली पूर्व से पश्चिम तक चमकती है, तो भी वैसे ही होगा।" समझे? हम इन पंथो और गोत्रो का विश्वास नहीं करते हैं। हम विश्वास करते हैं कि परमेश्वर वचन है।

168 लेकिन उसने स्वयं को देह में सम्मिलित कर लिया, आपकी और मेरी देह को ले रहा है, और आपको दान दे रहा है, मुझे दान दे रहा है, और इन दानो के द्वारा अपने आप को प्रकट कर रहा है। यही गुप्त भोजन है। इससे कोई मतलब नहीं वह स्वयं को मेरे द्वारा कितना भी प्रकट करे, आपको इसका विश्वास करना होगा, आपके पास भी विश्वास का वरदान होना ही चाहिए, कि इसका विश्वास करें। क्या आप इसका विश्वास करते हैं? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] और अब यदि वह स्वयं को उसी प्रकार से प्रकट करे, तो क्या आप उसका विश्वास करेंगे? ["आमीन।"] अपने पूरे हृदय से, आप उसका विश्वास करेंगे? ओह, उसके ऊपर निर्भर करना कितना अच्छा है, यह देखने के लिए, उसकी प्रतीक्षा करना कि वह क्या कहता है।

169 यहाँ पर एक व्यक्ति खड़ा हुआ है। जहां तक मैं जानता हूं मैंने उसे

अपने जीवन में कभी नहीं देखा। अच्छा, मजबूत, स्वस्थ व्यक्ति के समान दिखायी पड़ता है, और वह हो सकता है, मैं—मैं—मैं नहीं जानता। परंतु वह वहां पर खड़ा है। अब, मैं उस व्यक्ति के पास जाकर उस पर हाथ रख कर उसके लिए प्रार्थना कर सकता हूं, पूछता हूं यदि वह विश्वास करे। वह यहां खड़े होकर और मुझे कह सकता है, "मैं—मैं—मैं चाहता हूं कि आप *अमूक–और–अमूक* के लिए प्रार्थना कर दे। और मेरे—मेरे में हराब गिरे हुए हैं। मुझे लगातार सिरदर्द है। मेरे पेट में फोड़ा है," या कुछ भी। वह—वह, मैं नहीं जानता। वह उन में से कोई भी बात कह सकता है।

170 मैं कहूंगा, "ठीक है, श्रीमान, भाई। मैं अपना हाथ आपके ऊपर रखूंगा और आपके लिए प्रार्थना करूंगा।" यह पूरी तरह से ठीक हो जाएगा। हम पिछले सारे युगों में यही करते आए है। क्या यह ठीक बात है?

171 परन्तु, स्मरण रखें, यीशु ने ये कहा उसके आने के समय पर यह भिन्न होगा, जैसा कि सदोम के दिनों में था। और वह मनुष्य जो आया, उसकी पीठ तंबू की ओर थी जहां अंदर सारा थी, और उसने कहा, (अब "अब्राम," नहीं) "अब्राहम।"

172 देखिए, एक दिन पहले वह अब्राम था। परन्तु उसे एक दर्शन मिला, और प्रभु ने उसे बताया कि, "मैं उसका नाम बदलने जा रहा हूं।"

173 और यहाँ प्रभु स्वयं था, एक मनुष्य के रूप में, उसके साथ खा और पी रहा था। कहा, "अब्राहम, तेरी पत्नी साराह कहां है?" एस–ए–आर—आर–ए–एच साराह; ना हीं एस–ए–आर–आर–ए, सारे।

उसने कहा, "वह आपके पीछे तंबू में है।"

174 कहा, "मैं पच्चीस वर्ष पहले की प्रतिज्ञा के अनुसार तुझ से मिलने जा रहा हूं।"

175 और साराह एक प्रकार से अपने अंदर हंसी। उसने कहा, "सराह तंबू में हंसी, और कहा, 'यह कह कर यह बातें क्योंकर हो सकती है?'" हूं–हुंह। "क्या परमेश्वर के लिए कोई कार्य कठिन है?" समझे? कुछ भी नहीं। नहीं, श्रीमान।

176 अब उसने कहा, यीशु ने प्रतिज्ञा की है कि, "वह, मनुष्य का पुत्र," जो कि वचन है, (क्या आप इस बात का विश्वास करते हैं?) "कि वह अन्तिम दिनों में आएगा और स्वयं को उस समय में प्रकट करेगा कि जब

संसार सदोम और अमोरा के समान होगा।" क्या आप विश्वास करते हैं कि यह ठीक है?

177 इससे पहले कि हम एक प्रार्थना करें, आप में से कुछ लोग वहां प्रार्थना करें और देखें कि यदि मनुष्य का पुत्र कल, आज और सर्वदा एक सा है। थोड़ा पूछे यदि वह है, कहे, "प्रभु, यह मनुष्य मुझे नहीं जानता, परन्तु मैं जानता हूं कि आप कल, आज और सर्वदा एक से है," देखिए यदि वह आपको यह बताता है।

जी हां, श्रीमान। अब अपने सिरो को थोड़ी देर के लिए उठा ले।

178 यह मेरे पीछे है। यह एक बालक है। यह इस समय ज्वर से तप रहा है। यह एक छोटी बच्ची है। आप नगर के बाहर से हैं। बालक को पेट की समस्या है। इसने कर दिया। केवल विश्वास करें।

179 अब, क्या यही वो है जो उसने करने को कहा? मैंने उस व्यक्ति को अपने जीवन में पहले कभी नहीं देखा। परमेश्वर जो स्वर्ग में है यह जानता है।

180 यह व्यक्ति यहां पर है, वह बहुत ही मजबूत और स्वस्थ दिखाई पड़ता है। परन्तु देखिए छाया उसके ऊपर हैं? इसका अर्थ है, जब तक परमेश्वर ही उसकी सहायता ना करे, तो वह यहां अधिक लम्बे समय तक नहीं है। उसे कैंसर है। यह आपके फेफड़ों में है।

अब, मनुष्य का पुत्र यहाँ पर है।

उसके ह्रदय में एक छोटे लड़के के लिए बोझ है, एक छोटा बच्चा। क्या यह ठीक बात है? आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर मुझे बता सकता है कि उस बालक के साथ क्या गडबडी है? [भाई कहता है, "मैं जानता हूं कि वह कर सकता है।"—सम्पा।] वह कर सकता है। उसे कुछ मिर्गी के समान एक बेहोशी का दौरा पड़ता है। उसे हाल ही में एक पड़ा था। ["इस प्रात:।"] यह ठीक बात है, इस प्रात:। और आप विश्वास करते हैं कि उस लड़के का पालन पोषण करने के लिए आप जीवित रहेंगे, और वह ठीक हो जाएगा?

181 चार्ली कॉक्स कहाँ पर है? वह कहाँ पर है? चार्ली, तुम कहाँ हो? मैंने सोचा आज रात्री वह यहां पर है। चार्ली, यहां पर है। गैरी, तुम कहाँ पर हो? लैरी, क्या वो यहाँ है? उसके छोटे लड़के को भी वही चीज थी, बिल्कुल

वही चीज। लैरी, तुम कहाँ हो? एक मिनट यहां आ आओं। ठीक है, तुम यहाँ हो। इस छोटे लड़के को भी वही चीज थी। उसके पिता और माता मेरे बहुत अच्छे मित्र हैं। वर्षों पहले मैं वहां पर था, और यह छोटे लड़के को दौरा पड़ा, बस अंधेरा हुआ और साफ हो गया। यह मिर्गी थी। मैंने इसे छोटे लड़के पर देखा, परमेश्वर से उसे चंगा करने को कहा। और तब से उसे एक भी नहीं दौरा नहीं पड़ा। यह उसका पिता है; उसकी माँ यही कहीं बैठी हुई है; और वह छोटा लड़का स्वयं यहां है।

182 अब क्या आप विश्वास करते हैं, श्रीमान? (धन्यवाद, लैरी।) आप विश्वास करते हैं, श्रीमान? स्वर्ग का परमेश्वर तुम्हे भी यह प्रदान करे, और आप बालक के पालन पोषण के लिए जीवित रहे। परमेश्वर आपको आशीष दे।

आइए प्रार्थना करें।

183 प्रिय परमेश्वर, उसकी सहायता करें। मैं प्रार्थना करता हूं कि आपकी दया और अनुग्रह उस पर होगा और उसे आशीषित करे। यीशु के नाम में।

184 अब वापस लुईसियाना जाये, आनन्द के साथ, उसके लिए परमेश्वर की स्तुति करे।

185 ओह, हाँ, वह लुईसियाना से था, निश्चय ही था, चार्ल्स झील के आसपास। ठीक है। देखिए, अब मैं आपके विचारों को पकड़ सकता हूं। परमेश्वर की महिमा हो!

186 भाई, आप एक—एक अच्छी चीज मांग रहे हैं, आप एक बालक पाना चाहते हैं। आपके पास पहले भी बालक है, कुछ बालक, परन्तु आप एक और चाहती हैं। मेरी बहन स्वर्ग का परमेश्वर आपको यह प्रदान करे। यहां आईये, मैं बस हाथो को रखना चाहता हूं।

187 प्रिय परमेश्वर, महिला को उसके हृदय की इच्छा दे, क्योंकि यह अच्छी बात है। यीशु के नाम में। आमीन।

अब जाकर बालक को पाए।

188 परमेश्वर एक अच्छा परमेश्वर है। क्या आप इस बात का विश्वास करते हैं? वह हमारी सारी आवश्यकताओं को जानता है। यदि हम विश्वास करे तो वह हमारी हर आवश्यकता को पूरा करेगा। उसने कहा, "यदि तू विश्वास करे!"

189 मैंने आप से कहीं हाथ मिलाया है। मुझे स्मरण नहीं कि कहां परन्तु मैंने कहीं आप से हाथ मिलाया है। मुझे बस ठीक–ठीक याद नहीं आ रहा है, परन्तु बस हम कहीं पर थे, आज कहीं पर, परन्तु मुझे याद नहीं कि यह कहां था। परन्तु यह वो स्थान नहीं, जिसके विषय में हम यहाँ बात करने के लिए है। आप यहां पर बात करने के लिए है, या प्रार्थना करवाने के लिए है, आप चाहते हैं कि मैं किसी के लिए प्रार्थना करूं। यह ठीक बात है। वह यहां नहीं है। वह जॉर्जिया में बीमार है। वह केवल शारीरिक रूप से ही बीमार नही, परन्तु आत्मिक रूप से भी वह बीमार है; आपका चचेरा भाई। आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर इसकी चिन्ता करेगा क्योंकि आप उसके लिए खड़े हैं? क्या आप करते हैं? यहां आईए और हम एक साथ मिलकर प्रार्थना करें।

190 प्रिय परमेश्वर, इस व्यक्ति को उसके हृदय की इच्छा प्रदान करें, कि वह जाकर और पा सके जिसे यह मनुष्य परमेश्वर के सामने पुकार रहा है। यीशु के नाम में मैं यह मांगता हूं। आमीन।

परमेश्वर आपको आशीष दे। संदेह ना करें। अपने सम्पूर्ण हृदय से विश्वास करें।

191 आप कैसे हैं? यह वह नहीं था कि मैं अपना हाथ आपसे मिलाने के लिए नही बढ़ा पाया, जब आपने अपना हाथ बढ़ाया, मैं कुछ देख रहा था। यह छाया थी, वास्तव में घनी और काली। इसी कारण। मैं जानता हूं मैंने आपका हाथ पकड़ा, मैं इस प्रकार से नही देख सका, देखो। परन्तु यह कैंसर है। आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर इसे हटाने के योग्य है? यह आपकी छाती पर है, बाईं ओर। आप केरोलिना वापस जाना चाहती हैं और चंगा होने के लिए प्रभु कि प्रशंसा करे क्या आप नही करेंगी? देखा मेरा क्या अर्थ है? आइये हम प्रार्थना करें।

192 प्रिय परमेश्वर, यीशु मसीह के नाम में, वो एक जो अब यहां उपस्थित है; बालक परमेश्वर की रोटी खा रहे हैं, होने पाए यह बालक भी विश्वास का आनंद ले सके, परमेश्वर की रोटी जो वह अब चंगाई के लिए उसे देता है। यह चंगा हो कर जाए, यीशु के नाम में। आमीन।

भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे। अपने पूरे हृदय से विश्वास करें।

आप कैसे हैं?

193 क्या यह शानदार समय नही है? जैसे कि एक विस्मय लोगों के ऊपर छाया हो ऐसा लगता है। या, यह ऐसा सुन पड़ता है, मेरे कानों में जैसे कि कोई चीज, "व्यूह!" करके जा रही हो, जैसे की, "व्यूह," की आवाज कर रही हो, इस प्रकार से, देखो। यह बालको की रोटी है। समझे? यह आपकी है। यह आपके लिए है। यह मेरे लिए नहीं; यह आपके लिए है। मैं बहुत ही धन्यवादित हूं, इस समय, मैं नहीं... मैं ठीक हूं, जहां तक मैं जानता हूं; परन्तु यह मेरे लिए भी रोटी है, जब मुझे इसकी आवश्यकता होती है। यह आपके लिए रोटी है। यह साहस बढ़ाना है। आपके लिए जो बीमार भी नहीं है, यह हमारे ह्रदयो को परमेश्वर के सन्मुख लाता है।

194 यह ठीक सही ऋतु में है, जो उसने कहा वह उसे करेगा, "और जैसे सदोम के दिनों में था, ऐसे ही मनुष्य के पुत्र के आने के दिनों में होगा, जब मनुष्य का पुत्र प्रगट होगा।" समझे? "और, देखो, मैं एलिय्याह नबी को प्रभु के बड़े और भयानक दिन के आने से पहले भेजुंगा। वह लोगों के ह्रदयो को पूर्वजो की ओर वापस फेरेगा।" समझे? समझे?

195 "और तब धर्मी उन—उन दुष्टों की राख पर चलेंगे।" वे भट्टी के समान जलेंगे, देखिये, पृथ्वी भी। देखिए यह वहां गिरने जा रही है। और ज्वालामुखी पृथ्वी के आर पार फैल जाएगा, और आकाश आग में होगा।

हे युगों की चट्टान, अब मुझ पर दया करे, और फिर।

196 आप कैसी हैं? एक बात आप में है, महिला रोग, स्त्री रोग। दूसरी चीजें। आप अधीर हैं, यह आयू बस अधीर होने की हैं। सब प्रकार की उथल–पुथल। परन्तु आपकी एक इच्छा भी है, यह कि पवित्र आत्मा प्राप्त करे। यह ठीक बात है। यही है। क्या आप विश्वास करती हैं कि आप... क्या आपने सारी बातों को अंगीकार कर लिया है? आप विश्वास करती हैं यदि मैं आपके ऊपर हाथ रखूं और परमेश्वर से यह करने के लिए कहूं, तो पवित्र आत्मा आ जाएगा? [बहन कहती है, "हां।"—सम्पा।] आप यह विश्वास करती हैं? ["जी हां, श्रीमान।"] आइए हम प्रार्थना करें।

197 प्रिय परमेश्वर, मैं अपने हाथ इस महिला पर प्रेरिताई के रूप में रखता हूं, और यह मांगता हूं कि यह पवित्र आत्मा का बपतिस्मा प्राप्त करे। यीशु मसीह के नाम में, यह इसे प्राप्त करे। आमीन।

198 संदेह ना करें। यह आपके लिए है, समझे। यह आपका है। यह उन—उन बालको की रोटी है।

199 एक अजीब सी अनुभूति हुई जब मैंने कहा, "महिला रोग," क्या आपको नहीं हुई? क्योंकि यही है जो आपको भी हुई थी। अब, आप विश्वास करती है कि अब आप चंगी होने जा रही हैं? जाए, केवल प्रभु को धन्यवाद करे।

200 आप कैसे हैं? क्या आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करते हैं? क्या आप विश्वास करते हैं कि आप वैसे ही खाने के योग्य है, जैसे बहुत पहले खाया करते थे? ठीक है। जाये, और कहे, "धन्यवाद, प्रभु। मैं इसका विश्वास करता हूं।" प्रभु की उपस्थिति।

201 आप यह विश्वास करते हैं कि पीठ का रोग आपको छोड़ने जा रहा है और आप चंगे होने जा रहे हैं? अच्छा ठीक है। जाए कहते रहिए, "धन्यवाद, प्रिय परमेश्वर," और परमेश्वर इसे प्रदान करेगा।

202 आप विश्वास करते हैं आप अच्छे हो सकते हैं, प्रभु आपको चंगा करेगा, और कोई जोड़ो का दर्द नहीं होगा, भले और स्वस्थ रहेंगे? आप यह विश्वास करते हैं? उसका धन्यवाद करते हुए जाए, कहे, "प्रभु, मैं इसे अपने पूरे ह्रदय के साथ करता हूं, और मैं इसका विश्वास करता हूं।"

बाहर आप सब इस विश्वास के विषय में क्या कर रहे हैं?

203 आप जो यहां पर है, अपने हाथ को उस महिला पर रखें जो आपके बराबर में बैठी हुई है, उसे बताए फूली नसों और जोड़ो का दर्द उसे छोड़ देगा। जब वह... ? ...

204 परमेश्वर आपको आशीष दे। आप विश्वास करते हैं कि अब आप ठीक होने जा रहे हैं? घर जाए और चंगे रहे। परमेश्वर आपको आशीष दे। अपने मार्ग पर जाये, और कहे, "प्रभु यीशु आपका धन्यवाद।"

205 आप कैसी हैं? आप विश्वास करती हैं कि महिला रोग आपको भी छोड़ने वाला है, और आप चंगी होने जा रही हैं? जाईए, और कहे, "प्रभु, आपका धन्यवाद।"

206 आप कैसी हैं? [बहन कहती है, "कोमल हड्डी खींच गई है।"—सम्पा।] क्यों, ओह, ओह! ["टोटेन।"] मैं आपका नाम जानता हूं। मैं—मैं किया करता था... ["टोटन।"] जब मैं बैपटिस्ट कलीसिया में पास्टर था। ["टोटेन।"] टोटेन। ["डेला टोटेन।"] बहन डेला टोटेन। अब आप पीठ की परेशानी से पीड़ित थी। ["जी हां।"] यह ठीक होने जा रहा है। आप

विश्वास करती हैं कि वह आपको चंगा करने जा रहा है? आपको स्मरण है कि वर्षों पहले मिलटाउन बैपटिस्ट कलीसिया में क्या हुआ था? ["जी हां, मुझे यह याद है!"] वह आज भी वही परमेश्वर है। मेरी बहन, परमेश्वर आपको आशीषित करे।

जॉर्ज राईट, आप कहां हो? आपको याद है? ओह, कैसे...

आप विश्वास करते हैं, यदि मैं केवल अपना हाथ इस अभिषेक के साथ आप के ऊपर रखूं, तो आप विश्वास करते हैं कि अच्छे हो जाएंगे? यहाँ आओ। यीशु मसीह के नाम में होने पाए वो चंगी हो जाये। आमीन। विश्वास रखिए!

अच्छा, क्या आप अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करती हैं?

207 अब, उस महिला को देख कर पुरानी बातें कैसे याद आ जाती है! मैं अब भी उसका नाम याद नहीं कर पा रहा हूं, परन्तु मैं... [कोई कहता है, "टोटेन।"—सम्पा।] टोटेन। टोटेन, यह ठीक बात है। ओह, हाँ, उसकी लड़की बर्टी थी। यह ठीक है। यह बिल्कुल ठीक है। मत सोचिए कि मैं अपने आपे में नही हूं, मैं एक प्रकार से थोड़ा सा, आप जानते हैं, यह एक प्रकार का... मैं इसे समझा नहीं सकता।

208 महिला, परन्तु आपकी पीठ का रोग चला गया है। जाइए, प्रभु की प्रशंसा करिए, और कहिए, "प्रभु, तेरा धन्यवाद हो।"

209 मैं विश्वास करता हूं कि आपके ह्रदय का रोग भी चंगा हो गया है? बस जाये, आनंदित होकर जाए, और कहे, "प्रभु यीशु, आपका धन्यवाद हो," और मैं इसका विश्वास करता हूं। ठीक है। अब विश्वास करे। संदेह ना करें।

210 महिला यहां आए। क्या आप अपने पूर्ण ह्रदय से विश्वास करती हैं? आपके साथ बहुत सारी गडबड़ीयां हैं। आपको पीठ में भी परेशानी है। आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर आपको चंगा करने जा रहा है? ठीक है, आनंद करती हुई जाए। कि, यह वह है जो आपको इस प्रकार का अनुभव दे रहा है। प्रभु का धन्यवाद करे। बहन परमेश्वर आपको आशीष दे।

211 सोनी, कैसे हो। आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर उस बालक की अधीरता को चंगा करने जा रहा है और उसे स्वस्थ कर देगा? आप इसका विश्वास करते हैं? ठीक है। मित्र, क्या हाल है, मैं तुम से हाथ मिलाऊं।

212 प्रिय परमेश्वर, इस छोटे लड़के से उस बुराई को दूर कर दे, और वह आम जीवन जीए। यीशु के नाम में। आमीन।

213 भाई, परमेश्वर आपको आशीष दे। आप इसका विश्वास करते हैं, क्या नहीं? और अच्छे हो जाए। इसमें बिल्कुल भी संदेह ना करें।

214 बहुत ही यूवा ह्रदय रोग के लिए। आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपको स्वस्थ करेगा? जाइए, कहिए, "प्रभु तेरा धन्यवाद, क्योंकि तूने मुझे चंगा किया है।"

215 आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर आपके पेट के रोग को चंगा करेगा और आपको स्वस्थ करेगा? आनंद करते जाईए, और कहिए, "प्रभु तेरा धन्यवाद हो।"

216 वह अभी भी परमेश्वर है, क्या वो नहीं है? आपको केवल एक कार्य करना है कि केवल विश्वास करे। क्या यह ठीक बात नही है? क्या क्या आप अन्तिम दिनों में मनुष्य के पुत्र का विश्वास करते हैं?

217 यहां अभी कुछ मिनटो पहले कुछ घटित हुआ, और मैं नहीं... मालूम करने का यत्न कर रहा हूं कि कहां पर था। किसी में विश्वास था और कुछ हुआ। या, हो सकता है मैं उन्हें अगले रविवार में लूंगा, या जब भी कर ले सकूं। क्या आप—आप... यह फिर से है। आपने अपना हाथ ऊपर उठा लिया। क्या आप विश्वास करते हैं कि परमेश्वर ह्रदय रोग को चंगा कर सकता है, आपको स्वस्थ कर सकता है, वहां आपकी पुत्री को चंगा कर सकता है, जिसे आप विश्वास करते है साथ—साथ... श्रीमती नेफ, आप विश्वास करती हैं? आप विश्वास करती हैं कि परमेश्वर... लियो नेफ। मैं आपको नहीं जानता, परन्तु आप यही हैं। आपको ह्रदय रोग है, और आपकी छोटी पुत्री को गुर्दे का रोग है। आप विश्वास करती हैं कि वह स्वस्थ होने जा रही है? आपका विश्वास आपको चंगा करता है। अपने सम्पूर्ण ह्रदय से विश्वास करें।

218 आप पीछे जलाशय पर वहां पीछे, पेट के रोग में खड़े हुए है, यीशु मसीह आपको स्वस्थ करता है।

219 आप विश्वास करते हैं? वह कल, आज और सर्वदा एक सा है। आइए अब हम अपने हाथ एक दूसरे पर रखें। ओह, उस घड़ी के लिए सोचे जिसमे हम हैं, समय के लिए सोचे। सोचे कि हम बिल्कुल यीशु मसीह की

उपस्थिति में है, परमेश्वर का पुत्र। उसने प्रतिज्ञा की है कि वह यह अन्तिम दिनों में करेगा। मैंने अपने हाथ इन रूमालो पर रखे हैं।

220 प्रिय परमेश्वर, मैं आपसे प्रार्थना करता हूं कि आप इन रुमालों को लोगों की चंगाई के लिए आशीषित करेगे, यीशु मसीह के नाम में।

221 अब, एक दूसरे पर हाथ रखे हुए, आप में से प्रत्येक मसीह की देह है। वही पवित्र आत्मा जिसने ह्रदयो के गुप्त विचारो को प्रकट करने की प्रतिज्ञा की है, और इन चीजों को कर रहा है, वह आप में है। आप उसका एक भाग है, और वह आपका एक भाग है। अब, उसने यह कहा, "विश्वास करने वालो के यह चिन्ह होगे।" वह आप है। "यदि वे अपने हाथ बीमारों पर रखेंगे, तो वे चंगे हो जाएंगे।" अब, अपने लिए प्रार्थना ना करें, उसके लिए प्रार्थना करें जिस पर आपने अपना हाथ रखा हुआ हैं, क्योंकि वे आपके लिए प्रार्थना कर रहे हैं। अब आइए हम एक साथ प्रार्थना करें, और इस भवन में कोई भी दुर्बल व्यक्ति ना हो। हम अधिक प्रतीक्षा क्यों करें, मेरे प्रिय भाई, बहनों, यहाँ है ये, पवित्र आत्मा, परमेश्वर, ठीक यहाँ, वही चीज जिसके विषय में हमने बात की है।

222 प्रिय यीशु, हम आपकी उपस्थिति को पहचान रहे हैं। उस दिन आपने उस छोटे बालक को वापस जीवित कर दिया था, मरने के पश्चात, विश्वास की प्रार्थना के द्वारा। प्रिय परमेश्वर, यहां पर बहुत सारे ऐसे हैं जिन्हें हम नहीं ले सके, समय बीत रहा है, परन्तु उन्होंने अपने हाथो को एक दूसरे पर रख रखा हैं। वे विश्वासी है। हम प्रभु यीशु मसीह की उपस्थिति में बैठे हुए हैं, जो मृतको में से जी उठा, कल, आज और सर्वदा एक सा है।

223 शैतान, तू हारा हुआ है! यीशु मसीह ने तुझे हरा दिया है! वह मृतको में से जी उठा और आज रात्री हमारे मध्य में खड़ा है, इस अन्तिम दिनों के इस संदेश को प्रमाणित कर रहा है। इन लोगों में से निकल आ! यीशु मसीह के नाम में, उन्हें छोड़ दे! "मेरे नाम से वे प्रेत आत्माओं को निकालेंगे," और तू निकाला गया है। यीशु मसीह के नाम में, इस सभा को छोड़ दे!

224 आप में से प्रत्येक अब जो अपनी चंगाई को स्वीकार करता है, अपने पैरों पर खड़े हो जाए। हर कोई जो चंगाई को स्वीकार करता है, अपने पैरों पर खड़े हो जाए। अब अपने हाथो को खड़ा करे और उसे महिमा दे!

परमेश्वर से कहे, "अब मैं अपनी चंगाई को स्वीकार करता हूं।" "अब मैं अपनी चंगाई को स्वीकार करता हूं। मसीह, आप कल, आज और सर्वदा

एक सा है। अब मैं आपका विश्वास करता हूं, तू मेरे अविश्वास में मेरी सहायता कर। आमीन।"

मैं उसकी प्रशंसा करूंगा, मैं उसकी प्रशंसा करूंगा,
पापियों के बलिदान मेमने की प्रशंसा करे;
समस्त लोगो, उसको महिमा दो,
क्योंकि उसके लहू ने हर दाग को धो दिया है।

225 क्या आप उससे प्रेम नहीं करते है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] आइए तो हम उसकी स्तुति करें। प्रत्येक, अपने हाथों को ऊपर कर के, उसकी स्तुति करें, जबकि भाई हमे यहां सभा को समाप्त करने के लिए आ रहे है।

65–0718E सही समय पर आत्मिक भोजन
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2024 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

Voice Of God Recordings, India Office
19 (New No: 28) Shenoy Road, Nungambakkam
Chennai 600 034, India
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

Voice Of God Recordings
P.O. Box 950, Jeffersonville, Indiana 47131 U.S.A.
www.branham.org